mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-156 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
08 जून 2025 रविवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

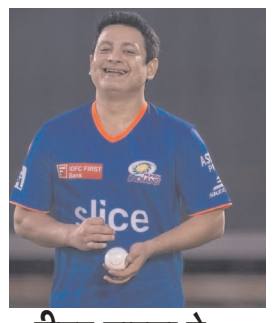

पीयूष चावला ने ...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

आतंकवाद के खिलाफ जंग में जर्मनी ने भी दिया भारत को खुला समर्थन

वॉशिंगटन/बर्लिन (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर पाकिस्तान की पोल खोलने और ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने जर्मनी पहुंचे भारतीय सांसदों के डेलीगेशन ने पाक के आतंकी करतूतों की पोल खोल दी है। जर्मनी ने भारत को आश्वासन दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उसके साथ मजबूती से खड़ा है। जर्मनी के संघीय विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने यह बात भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान कही। जर्मनी ने भारतीय डेलीगेशन को आतंक के खिलाफ जंग में खुलकर भारत का साथ देने का ऐलान किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने

पाकिस्तान द्वारा परमाणु दबाव बनाने की रणनीति के प्रति भारत की अस्वीकार्यता और पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की कड़ी प्रतिक्रिया को रेखांकित किया। इस डेलीगेशन का नेतृत्व भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद कर रहे हैं, जिन्होंने शुक्रवार शाम जर्मनी के विदेश मंत्री वाडेफुल से मुलाकात की।भारतीय दूतावास ने %एक्स% पर लिखा, ÷विदेश मंत्री वाडेफुल ने हाल ही में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से अपनी बैठक को आगे बढ़ाते हुए पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ भारत को जर्मनी का मजबूत समर्थन और एकजुटता दोहराई।÷ दोनों पक्षों ने भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की और साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

पाकिस्तान अब करेगा सऊदी अरब के साथ रणनीतिक साझेदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बुरी तरह तबाह हुआ पाकिस्तान अब अपने बचने की जुगत में लग गया है। इस कड़ी में पाकिस्तान अब सऊदी अरब से रणनीतिक साझेदारी करने जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से दावा किया गया है कि दोनों देशों में इस पर सहमति भी बन गई है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब यात्रा के दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की

प्रतिबद्धता दोहराई है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान पुरी तरह पिट चुका है। अब उसे अपनी गिरेबां बचाने के लिए ऐसे साझेदारों की जरूरत है, जो उसे संकट के समय मदद कर सकें या भारत के साथ कम से कम मध्यस्थता करा सकें। पाकिस्तान जानता है कि सऊदी अरब और भारत के बीच अच्छे संबंध हैं। ऐसे में वह भी अब सऊदी के साथ रणनीतिक साझेदारी के जरिये अपने संबंधों को और अधिक मजबूत करना चाहता है। ताकि संकट के समय सऊदी उसका साथ दे सके। पाक प्रधानमंत्री शरीफ और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को गहराने की पुष्टि की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह निर्णय दोनों देशों के नेतृत्व और जनता की ÷साझा आकांक्षाओं और दृष्टिकोण÷ पर आधारित है। शरीफ के साथ विदेश मंत्री इशाक डार, फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर और गृह मंत्री सैयद मोहसिन नकवी सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था।

सोनिया गांधी को ले जाया गया अस्पताल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जे जाया गया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं, उनकी हालत स्थिर है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब सोनिया गांधी को रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया हो। लगभग 3 माह पहले भी कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय भी कांग्रेस नेता नियमित जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि लगभग एक माह पहले दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया था। स्पेशल जज विशाल गोगने ने कहा था कि आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के समय उनका ÷सुनवाई का अधिकार÷ उपलब्ध था। जज ने मामले की अगली सुनवाई 8 मई के लिए निर्धारित करते हुए कहा था, ÷किसी भी स्तर पर सुनवाई का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई को नई जान देता है।÷ हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था।

साफ कहा कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करता

ब्रिटिश विदेश मंत्री से बातचीत के दौरान जयशंकर ने दिया खास संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ शनिवार को नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान जयशंकर ने साफ कहा कि भारत आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करता और वह कभी भी अपराधियों को पीड़ितों के बराबर नहीं मानेगा। उन्होंने कहा, %हम आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस पॉलिसी का अनुसरण करते हैं और अपने सहयोगी देशों से अपेक्षा करते हैं कि वे इसे समझे। साथ ही, हम कभी भी अपराधियों को पीड़ितों के समकक्ष रखने को स्वीकार नहीं करेंगे। ब्रिटिश विदेश मंत्री के सामने जयशंकर का यह बयान दुनिया के कुछ देशों के लिए एक खास संदेश था। दरअसल, यह बयान इसलिए दिया गया क्योंकि पिछले महीने भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन (7-10 मई) तक चले सैन्य तनाव के बाद कुछ देशों ने दोनों को एक समान मानने की कोशिश की, जिससे भारत बेहद नाराज था। जयशंकर ने वैश्विक समुदाय को यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ अपनी सख्त नीति पर अडिग है। डेविड लैमी दो दिन की यात्रा पर शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे।

डेविड लैमी की इस यात्रा का मकसद भारत और ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना, व्यापार बढ़ाना, प्रवासन (माइग्रेशन) से जुड़े मुद्दों पर सहयोग करना और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत में नए अवसर तलाशना है। ब्रिटेन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि लैमी का ध्यान आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और प्रवासन से जुड़े मुद्दों पर काम करने पर है। बैठक से पहले लैमी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की।

पीएम मोदी ने कहा, ब्रिटेन के विदेश मंत्री श्री डेविड लैमी से मिलकर प्रसन्नता हुई।

बड़े पापा ने ही 5 साल के मासूम भतीजे को मार डाला

अनूपपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले से हत्या की एक खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां अपनी मां के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने आए 5 वर्षीय बच्चे की हत्या हो गई थी। उसका शव घर से दूर बरामद किया गया था। जब पुलिस ने इस मामले की जांच की तो खुलासा हुआ कि बच्चे के बड़े पापा यानी चाचा ने ही उसकी हत्या की थी। बच्चे की हत्या का कारण जान कर अब हर कोई हैरान हो गया है। आइए जानते हैं ये पूरा मामला। दरअसल, ये पूरी घटना मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के भालूमाड़ा थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 16 की है। यहां 8 मई को अपनी मां के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने आए 5 वर्षीय अबोध बालक घर में सोते समय रात में अचानक गायब हो गया था। खोजबीन करने पर बच्चे का शव 5 दिन बाद क्षत-विक्षत हालत में घर से 500 मीटर दूर बरामद हुआ। यहां शव देखकर ही पुलिस को उसकी हत्या की आशंका हुई थी। मृतक के पिता ने भी पारिवारिक विवाद के कारण हत्या के आरोप लगाए थे। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम जांच करने के बाद अग्रिम कार्रवाई कर रही थी। इस घटना के 25 दिन बाद भालूमाड़ा पुलिस आरोपी के गिरेबान तक पहुंच ही गई। भालूमाड़ा थाना प्रभारी ने जो खुलासा किया वो चौंकाने वाला है। दरअसल, हत्या का आरोपी मृतक अबोध बालक का बड़ा पिता यानी चाचा ही निकला। वह पारिवारिक विवाद के कारण विवाह समारोह में न बुलाए जाने से नाराज था।

राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का लगाया आरोप

आरोपों को भारतीय चुनाव आयोग ने पूरी तरह से खारिज कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर हाल ही में की गई टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया है। उनके इन आरोपों को भारतीय चुनाव आयोग ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। बता दें कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि महाराष्ट्र चुनाव ÷लोकतंत्र में धांधली करने की योजना÷ का हिस्सा था और यह ÷मैच फिक्सिंग÷ बिहार और अन्य राज्यों में भी की जाएगी, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हार रही है। हालांकि श्वष्ठ्ठ ने इन आरोपों को ÷निराधार÷ और ÷कानून के शासन का अपमान÷ बताते हुए खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उनके दावों को ÷बेतुका÷ और ÷भ्रामक÷ बताया। एक बयान में, चुनाव आयोग ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की चिंताओं पर विस्तृत जवाब दिसंबर 2024 से चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। चुनाव आयोग ने इस बात पर जोर दिया कि बिना सबूत के आरोप न केवल कानून का अपमान करते हैं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम करने वाले चुनाव कर्मचारियों का मनोबल भी गिराते हैं। चुनाव आयोग ने कहा, ÷किसी के द्वारा फैलाई गई कोई भी गलत सूचना न केवल कानून के प्रति अनादर का संकेत है, बल्कि उनके राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त हजारों प्रतिनिधियों की बदनामी भी करती है और लाखों चुनाव कर्मचारियों का मनोबल भी गिराती है।÷

बता दें कि राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में, चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए फर्जी चुनाव कराने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के आरोपों में फर्जी मतदाताओं को जोड़ने, मतदान प्रतिशत बढ़ाने, फर्जी मतदान की सुविधा देने और सबूत छिपाने सहित कई कथित अनियमितताओं के बारे में बताया गया। राहुल गांधी ने कहा कि इस तरह की प्रथाएं बिहार जैसे अन्य राज्यों में भी फैलेंगी, जहां आगामी चुनावों में भाजपा को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

दिल्ली के लोगों के लिए खुशखबरी

माफ होंगे पानी के बिल, 16 लाख उपभोक्ताओं की परेशानी होगी खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रेखा गुप्ता की अगुआई वाली सरकार आम लोगों को एक और खुशखबरी देने जा रही है। दिल्ली में पानी के बिल माफ होने जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली सरकार डोमेस्टिक बिल में लेट पेमेंट सरचार्ज माफ करने वाली हैं। बताया जा रहा है कि लगभग 80त्न से 90त्न बिल पर छूट दी जाएगी। दिल्ली में जल बोर्ड के लगभग 27 लाख उपभोक्ता हैं, जिनमें 16 लाख उपभोक्ताओं को पानी के गलत बिल से दिक्कत थी। ये वो उपभोक्ता थे, जिनका ये कहना था कि कोरोना के दौरान जल बोर्ड के तरफ से मीटर रीडिंग ही नहीं ली गई थी।

देश में 2020 में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। इस दौरान जल बोर्ड के अधिकारी मीटर की रीडिंग लेने के लिए घर-घर नहीं जा पाए थे। बाद में अपने हिसाब से रीडिंग भर दी गई और लोगों को बिल जारी कर दिए गए। बड़ी संख्या में लोगों का बिल सामान्य से ज्यादा आया तो

उन्होंने इसकी शिकायत की और बिल नहीं भरा। हालांकि, शिकायतें इतनी ज्यादा हो गई कि जल बोर्ड के अधिकारी इनका समाधान नहीं कर पाए।

पानी का बिल नहीं भरने से पेनाल्टी और ब्याज लगती गई। इस वजह से छोटे-छोटे घरों में रहने वाले लोगों के पानी के बिल भी लाखों में पहुंच गए। इसके बाद दिल्ली सरकार ने पानी का बिल सेटल करने के लिए योजना बनाई। हालांकि, राज्य सरकार और गवर्नर के बीच विवाद के चलते यह योजना लागू नहीं हो पाई और पानी के बिल की समस्या बनी रही। अब राज्य सरकार बदलने के बाद बीजेपी सरकार बिल माफ करने की तैयारी में है।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने फरवरी 2024 में पानी का एक बिल फाड़कर फेंका था और लोगों से इसका समाधान करने का वादा किया था। हालांकि, उनका यह वादा पूरा नहीं हुआ। केजरीवाल ने एक गलत बिल को फाड़ते हुए कहा था कि इसके समाधान के लिए दिल्ली सरकार वन टाइम सेटलमेंट स्कीम लाना चाहती है, लेकिन भाजपा ने उपराज्यपाल के माध्यम से अफसरों से योजना को रुकवा दिया। भाजपा चाहे जितनी अड़चनें डाले, लेकिन वह सभी के बिल माफ करवा कर रहेंगे। उन्होंने कहा था कि कोरोना के बाद से ज्यादातर लोगों के पानी के बिल गलत आ रहे हैं। हमने पानी मुफ्त कर रखा है। फिर भी इतना ज्यादा बिल आ रहे हैं जो गलत है। दिल्ली में 11 लाख ऐसे परिवार हैं, जो गलत बिल से परेशान हैं। 50-50 गज के मकान हैं।

रविशंकर प्रसाद के साथ जर्मनी पहुंचा सांसदों का डेलिगेशन

आतंकवाद को लेकर दिया कड़ा संदेश

चेन्नई (एजेंसी)। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद सर्वदलीय सांसदों के डेलिगेशन के साथ इन दिनों जर्मनी में हैं। यहां राजधानी बर्लिन में उन्होंने कहा, ÷भारत में हम कहां हैं और वे (पाकिस्तान) कहां हैं? भारत दुनिया में एक प्रमुख वैश्विक आईटी शक्ति बन गया है, भारत दुनिया की उभरती हुई अंतरिक्ष शक्ति बन गया है। यहां के स्टार्टअप अब वैश्विक स्तर पर पहचाने जाने लगे हैं, हमने समानता और न्याय के साथ डिजिटल परिवर्तन लाया है। पीएम मोदी कहते थे कि अगर वे प्रधानमंत्री बने तो वे ऐसा भारत बनाएंगे जहां आईटी+आईटी=आईटी, यानी सूचना प्रौद्योगिकी+भारत की प्रतिभा=कल का भारत होगा। वहीं पाकिस्तान आतंकी मशीनें बना रहा है। हमने कभी हमला नहीं किया, वे हमेशा युद्ध शुरू करने वाले लोग थे। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे जनरलों के नियंत्रण में हैं, न कि राजनीतिक नेताओं के। जहां कहीं

भी कोई आतंकवादी है, या तो वह पाकिस्तानी है या पाकिस्तान में प्रशिक्षित है। रविशंकर प्रसाद ने कहा, ÷बर्लिन में रहने वाले भारतीयों में बहुत उत्साह है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने आतंकवाद के खिलाफ जो कार्रवाई की है, वह सुनकर वे बहुत प्रभावित हैं। यही हमारे देश की एकता है जो यहां दिखाई देती है। हमारी जर्मनी की यात्रा बहुत अच्छी रही है। जर्मनी और भारत के बीच विकास का एक नया द्वार खुलने जा रहा है। जर्मनी ने भी आतंकवाद की खुले शब्दों में निंदा की है। पहलगाम हमला 22 अप्रैल को हुआ था। हमने 7 मई को हमला किया और आतंकवादी शिविरों को नष्ट किया। अगर पाकिस्तान को बात करनी है, तो उसे सीधे हमसे बात करनी चाहिए। हमारा संदेश सख्त और सीधा था- अगर आप रुकेंगे, तो हम रुकेंगे। अगर आप गोली चलाएंगे, तो हम और कड़ा जवाब देंगे। ऑपरेशन सिंदूर फिलहाल रुका हुआ है। यह खत्म नहीं हुआ है। वहीं इस डेलिगेशन में शामिल शिवसेना (श्वष्ठ्ठ) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ÷मैं कहना चाहूंगी कि हमने अपने प्रवासियों की ताकत 6 देशों में देखी है। हमने बहुत से अधिकारियों के समक्ष अपनी बात रखी थी। हमने यह नहीं कहा कि हम कोई मदद मांगने आए हैं बल्कि हम यह बताने आए हैं कि जो आतंकी माहौल हम इतने दशकों से सह रहे हैं, वह अब आपके घरों तक भी आएगा।

जबलपुर मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में जूनियर डॉक्टर ने किया सुसाइड

जबलपुर (एजेंसी)। जबलपुर मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के द्वारा आत्महत्या मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। मृतक जूनियर डॉक्टर के परिजनों ने आरोप लगाया है कि शिवांश गुप्ता ने सीनियर्स द्वारा की गई रैगिंग से परेशान होकर सुसाइड किया है। मृतक के चाचा दिनेश गुप्ता ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि शिवांश गुप्ता ने आत्महत्या करने के 3 दिन पहले अपनी मां को फोन किया था। शिवांश ने फोन पर अपनी मां से कहा था कि उसने नई बाइक ली है, इसी को लेकर उसके सीनियर उसको परेशान कर रहे हैं। जिसके चलते वह डिप्रेशन में रह रहा है। मृतक के चाचा दिनेश गुप्ता का कहना है कि शिवांश गुप्ता ने अपनी मां को फोन पर बताया था कि उसके सीनियर ने उसको 3 घंटे तक न केवल कमरे में बंद करके रखा था, बल्कि उसके साथ मारपीट भी की थी। मृतक के परिवार ने इस मामले की हाई लेवल कमेटी से जांच कराने की मांग की है। साथ ही उन्होंने सभी आरोपी छात्रों के मोबाइल भी सर्विलांस में लगाकर उनकी डिटेल निकालने की बात की है। परिजनों ने इस घटना के लिए पूरी तरह से मेडिकल कॉलेज के डीन नवनीत सक्सेना को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों का कहना है कि, मेडिकल प्रबंधन रैगिंग के इस मामले को दबाने में लग रहा और यही वजह है कि आज उनका बेटा इस दुनिया में नहीं रहा।

मैं रहूं या न रहूं... सच्चाई बताना चाहता हूं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक इन दिनों अस्पताल में भर्ती हैं। इससे पहले सीबीआई ने सत्यपाल मलिक और 6 अन्य लोगों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। उनके खिलाफ कीरु हाइड्रो प्रोजेक्ट

● पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने किया भावुक पोस्ट

से जुड़े कथित करप्शन केस में मामला दर्ज किया गया था। वहीं अब सत्यपाल मलिक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक भावुक पोस्ट की है। इस पोस्ट में उन्होंने कहा है कि ÷मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं।÷ सत्यपाल मलिक ने एक्स पर लिखा, ÷नमस्कार साथियों। मैं पिछले लगभग एक महीने के अस्पताल में भर्ती हूं और किडनी की समस्या से जूझ रहा हूं। परसों सुबह से मैं ठीक था, लेकिन आज फिर से मुझे ह्रष्ट्ठ में शिफ्ट करना पड़ा। मेरी हालत बहुत गंभीर होती जा रही है। मैं रहूं या ना रहूं इसलिए अपने देशवासियों को सच्चाई बताना चाहता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, जब गवर्नर के पद पर था तो उस समय मुझे 150-150 करोड़ रूपए की रिश्वत की पेशकश भी हुई, परंतु में मेरे राजनीतिक गुरु किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह जी की तरह ईमानदारी से काम करता रहा ओर मेरा ईमान वो कभी डिगा नहीं सकें। जब मैं गवर्नर था उस समय किसान आंदोलन भी चल रहा था, मैंने बगैर राजनीतिक लोभ लालच के पद पर रहते हुए किसानों की मांग को उठाया। फिर महिला पहलवानों के आंदोलन में जंतर-मंतर से लेकर इंडिया गेट तक उनकी हर लड़ाई में उनके साथ रहा। सत्यपाल मलिक ने लिखा, पुलवामा हमले में शहीद वीर जवानों के मामले को उठाया, जिसकी आज तक इस सरकार ने कोई जांच नहीं करवाई है। सरकार मुझे ह्रष्ट्ठ का डर दिखाकर झूठे चार्जशीट में फंसाने के बहाने ढूंढ रही है। जिस मामले में मुझे फंसाना चाहते हैं उस टेंडर को मैंने खुद निरस्त किया था, मैंने खुद प्रधानमंत्री जी को बताया था इस मामले में करप्शन है और उन्हें बताने के बाद में मैंने खुद उस टेंडर को कैंसिल किया, मेरा तबादला होने के बाद में किसी अन्य के हस्ताक्षर से यह टेंडर हुआ।

उन्होंने लिखा, मैं सरकार को और सरकारी एजेंसियों को बताना चाहता हूं कि मैं किसान कौम से हूं, मैं ना तो डरने वाला हूं ओर ना ही झुकने वाला हूं। सरकार ने मुझे बदनाम करने में पूरी ताकत लगा दी। अंत में मेरा सरकार से और सरकारी एजेंसियों से अनुरोध है कि मेरे प्यारे देश की जनता को सच्चाई जरूर बताना कि आपको छानबीन में मेरे पास मिला क्या? हालांकि सच्चाई तो यह है कि 50 साल से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में बहुत बड़े-बड़े पदों पर देशसेवा करने का मौका मिलने के बाद आज भी मैं एक कमरे के मकान में रह रहा हूं और कर्ज में भी हूं। अगर आज मेरे पास धन दौलत होती तो मैं प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज करवाता।÷

इस विश्व पर्यावरण दिवस पर सोनी सब के कलाकारों ने साझा किए दिल से जुड़े संदेश -छोटे प्रयास जो पृथ्वी पर बड़ा बदलाव ला सकते हैं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हर साल 5 जून को विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें हमारी पृथ्वी की रक्षा के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। जलवायु परिवर्तन को लेकर जागरूकता बढ़ाने से लेकर टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने तक, यह दिन हमें एक हरित भविष्य के लिए सार्थक कदम उठाने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, वृहि कोड़वारा, परीवा प्रणति और आदित्य रेडिज पर्यावरण के प्रति जागरूकता, व्यक्तिगत इको-फ्रेंडली आदतों और प्रकृति के लिए अपने खास योगदान की बातें साझा कर रहे हैं और यह बता रहे हैं कि किस तरह अर्थ डे को सेलिब्रेट करने

का उनका लक्ष्य अपने खास अंदाज में प्रकृति को कुछ लौटाने का रहता है।

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभा रही करुणा पांडे ने कहा, विश्व पर्यावरण दिवस का उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले अन्य मुद्दों को लेकर जागरूकता फैलाना है। कोविड-19 के बाद हमें यह महसूस हुआ कि प्रकृति हमारे लिए कितनी जरूरी है। पृथ्वी को बचाने का सबसे आसान तरीका है — रीड्यूस, रीयूज और रीसाइकल। हमें संसाधनों के उपयोग में टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और इन तीन 'आर' को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए ताकि प्राकृतिक संसाधनों और लैंडफिल स्पेस का संरक्षण हो सके। वागले की दुनिया ङ्क नई पीढ़ी, नए किस्से में वंदना का किरदार निभा रही परीवा प्रणति ने कहा, एक मां, एक अभिनेत्री और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में मेरा मानना है कि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरी-भरी और स्वस्थ धरती छोड़नी चाहिए। पर्यावरण दिवस यह याद दिलाने का एक सुंदर अवसर है कि हर छोटा प्रयास मायने रखता है ।

भोपाल में 91 कंटेनर में एकत्रित किए कुर्बानी के अवशेष, नगर निगम की स्वच्छता मित्रों की टीमों ने घर-घर जाकर पूछा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल में ईदुल अजहा (बकरीद) शनिवार को मनाई गई। सुबह मुख्य नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला चला। इसके चलते नगर निगम की टीमें कुर्बानी का अवशेष एकत्रित करने के लिए गली-मोहल्लों में पहुंची। कुल 91 कंटेनर के जरिए अवशेष आदमपुर खंती में बने रेंडरिंग प्लांट पर ले जाया गया।

नगर निगम के साथ स्वच्छता से जुड़े लोगों की टीमें भी मैदान में रही। इम्तियाज खान समेत टीम ने घर-घर जाकर लोगों से यह जानकारी ली कि उन्होंने कुर्बानी का अवशेष निगम की गाड़ी में डाला है या अभी घर में रखा हुआ है? जिनके घरों में कचरा रखा मिला, उन्हें निर्धारित पॉइंट पर डलवाया गया। वहीं, एएचओ आसिफ नजीर के साथ करीब 70 लोगों ने तालाबों में जाकर अपशिष्ट जाने से रोका।

स्वच्छता मित्रों की टीमों ने तालाबों में गंदगी फेंकने से रोकने का काम किया।

नगर निगम की टीमें भी यह काम करती रही। स्वच्छता मित्रों की टीमों ने तालाबों में गंदगी फेंकने से रोकने का काम किया। नगर निगम की टीमें भी यह काम करती रही।

ऐसा पहली बार हो रहा है, जब रेंडरिंग प्लांट में सारा वेस्ट जा रहा है। इससे मुर्गी-बिल्लियों के लिए दाने बनाए जाएंगे। बता दें कि रेंडरिंग प्लांट में पशुओं के शव या मांस के अपशिष्ट को इकट्?ठा किया जाता है। इनमें खाल, चर्बी, हड्?डी भी शामिल हैं। प्लांट में शव को छोटे टुकड़ों में काटा जाता है और प्रोसेस फिर फिर उच्च तापमान पर पकाया जाता है। सा करने के बाद जानवरों के लिए दाने तैयार किए जाते हैं।

महापौर मालती राय ने बताया कि इस साल नगर निगम ने आदमपुर छावनी में रेंडरिंग प्लांट स्थापित किया है। जिसमें स्लाटर वेस्ट से मुर्गी व मछली के लिए दाना तैयार किया जाएगा। यह प्लांट मध्यप्रदेश में अपने किस्म का पहला प्लांट है। रेंडरिंग प्लांट में स्लाटर वेस्ट का उपयोग होने से अब पूर्व की तरह स्लाटर वेस्ट को जमीन में गाड़ा नहीं जाएगा। स्लाटर वेस्ट को अस्थायी सेकेंडरी स्टोरेज पाइंट पर एकत्र कर सीधे आदमपुर छावनी स्थित रेंडरिंग प्लांट भेजा जा रहा है।

महापौर राय ने अस्थायी सेकेंडरी स्टोरेज पाइंट एवं अन्य स्थानों पर आवश्यक रसायन, शहर में पर्याप्त मात्रा में कंटेनर आदि की व्यवस्था भी करने को कहा था। इसके चलते शहर में 43 अस्थायी पशुवध गृह बनाए गए। इसके अलावा जोन क्षेत्रों से स्लाटर वेस्ट एकत्रित कर जिंसी स्लाटर हाउस व अस्थायी सेकेंडरी स्टोरेज पाइंट और वहां से आदमपुर छावनी स्थित रेंडरिंग प्लांट भेजा गया। शहर के विभिन्न जोन क्षेत्र में 91 कंटेनर रखे गए।

मप्र में 105 दिन तक चलेगा संगठन सृजन अभियान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दौरे में दिए संगठन मंत्र पर मप्र में काम शुरू हो गया है। एआईसीसी (अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी) की तरफ से नियुक्त किए गए 61 आब्जर्वर और मप्र संगठन के बीच बुधवार को चर्चा हुई। तय हो गया है कि अगले 105 दिन में जिले से लेकर मोहल्ले तक की कमेटियों को नया स्वरूप दिया जाएगा।

इस प्लान का बड़ा हिस्सा है पैनल, जिसमें ओबीसी, एससी, एसटी, महिला, सामान्य के साथ कुल 6 नाम अनिवार्य रूप से शामिल किए जाएंगे। इस काम को 10 जून से 30 जून के बीच और बाकी प्रक्रिया अगले 40 दिन में पूरी करनी होगी।

एआईसीसी के 61 ऑब्जर्वर के साथ हर जिले में 3 आब्जर्वर पीसीसी की तरफ से रहेंगे। यह लोग जिलों में जाकर सभी विधायक या सांसद, विधायक प्रत्याशी रहे नेता के साथ वहां के सीनियर नेताओं से फीडबैक लेंगे। लेकिन सबसे जरूरी फीडबैक जनता से लिया जाएगा कि उनके लिए कौन व्यक्ति हमेशा मैदान में खड़े

होकर लड़ता है। ऐसे नाम आने के बाद उनकी सोशल मीडिया प्रोफाइल और सोशल प्रोफाइल चेक की जाएगी। अपनी तरफ से वेरिफिकेशन करने के बाद ही 6 नाम वाला पैनल प्रदेश कांग्रेस कमेटी और एआईसीसी को सौंपा जाएगा। जिला अध्यक्ष के नाम पर अंतिम फैसला एआईसीसी करेगा।

मप्र में गुजरात मॉडल लागू किया जा रहा है। गुजरात में राहुल ने स्पष्ट कर दिया है कि वहां जो जिलाध्यक्ष बनेगा, वह विस या लोस चुनाव नहीं लड़ सकेगा। द

ूसरे नंबर पर जब मप्र में इस मॉडल को लागू किया तो इस पर राहुल ने कुछ भी नहीं कहा। इस मामले में दैनिक भास्कर ने प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से सवाल किया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि आगे फैसला लेंगे।

हालांकि उन्होंने कहा कि पूरा काम ऑब्जर्वर करेंगे। दूसरे फेज में 1000 ब्लॉक, 23 हजार पंचायत, नगरीय निकाय के वार्ड और मोहल्ला कमेटी बनाने का काम होगा। यह फेज करीब 45 दिन तक चलेगा।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि जिले की तरह 6 नाम का ही पैनल बनेगा।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नियुक्ति नहीं, 400 एएनएम तीन दिन से धरने पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेशभर से आईं करीब 400 एएनएम 2 जून से जेपी अस्पताल परिसर में स्थित स्वास्थ्य संचालनालय के सामने प्रदर्शन कर रही हैं। तीन दिन से लगातार धूप और बारिश में भी महिलाएं डटी हुई हैं। इनकी मांग है कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी उन्हें नियुक्ति क्यों नहीं दी गई। एएनएम ममता हिरवे ने बताया कि वे उन याचिकाकर्ताओं में शामिल हैं, जिनके पक्ष में जबलपुर हाईकोर्ट ने 28 अप्रैल को आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि सभी पात्र संविदा एएनएम को स्थायी रिक्त पदों पर नियुक्त किया जाए। विभाग ने अब तक आदेश का पालन नहीं किया। इसी के विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे एएनएम ने बताया कि मंगलवार को स्वास्थ्य संचालनालय की महिला अधिकारी वंदना खरे ने गार्ड को आदेश दिए कि प्रदर्शन कर रही महिलाओं को कार्यालय से पानी न लेने दिया जाए। शौचालय का उपयोग भी न करने दिया जाए। बुधवार को प्रदर्शन के दौरान दो महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई। दोनों को इलाज के लिए जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। ममता हिरवे ने बताया कि साल 2022-23 में संविदा एएनएम की नियमित भर्ती निकली थी। इसमें 24 माह के डिप्लोमा को अनिवार्य किया गया। जबकि पहले 18 माह का डिप्लोमा मान्य था।

इस नियम के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर की गई। कोर्ट ने आदेश दिया कि पहले से संविदा पर कार्यरत एएनएम को 18 माह के डिप्लोमा के साथ परीक्षा में बैठने दिया जाए। परीक्षा में करीब 400 एएनएम चयनित हुईं। पहले चरण में 124 को नियुक्ति दी गई। छह माह तक सभी ने नियमित रूप से सेवाएं दीं। इसके बाद विभाग ने नियुक्ति रद्द कर दी। इस फैसले के खिलाफ फिर याचिका दायर की गई।

'नक्शा' राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग और राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'नक्शा' वेब जीआईएस प्लेटफॉर्म पर कार्यशाला का शुभारंभ आईआईएसईआर (भौरी), भोपाल में हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य भू-प्रबंधन एवं प्रशासनिक प्रणाली को पारदर्शी और तकनीक सक्षम बनाना है। कार्यशाला में 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राजस्व और नगरीय प्रशासन सचिव, नगर निगम आयुक्त, और 120 से अधिक नगरीय निकायों के 200 से अधिक प्रतिभागियों सहित भू-प्रबंधन से जुड़े पेशेवरों ने भाग लिया। 'नक्शा' वेब-जीआईएस सॉल्यूशन पर आधारित कार्यशाला में इस प्लेटफॉर्म की क्षमताओं का शहरी संपत्ति सर्वेक्षण और भू-स्थानिक डाटा प्रबंधन में उपयोग पर प्रकाश डाला गया। उद्घाटन सत्र में केन्द्रीय भूमि संसाधन विभाग के निदेशक श्री श्याम कुमार, प्रमुख सचिव राजस्व श्री विवेक पोरवाल, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग श्री संकेत एस. भोंडवे, निदेशक आईआईएसईआर भोपाल प्रो. गोबर्धन दास और परियोजना निदेशक एमपीएसईडीसी श्री गुरु प्रसाद ने संबोधित किया। कार्यशाला के पहले दिन 'नक्शा' प्लेटफॉर्म की विशेषताओं और इसके शहरी संपत्ति सर्वेक्षण में वास्तविक उपयोग के संदर्भ में टेक्निकल प्रेजेंटेशन और लाइव डेमो प्रस्तुत किये गए। सर्वे ऑफ इंडिया और एमपीएसईडीसी के विशेषज्ञों ने ड्रोन आधारित इमेज ऐनालिसिस, फीचर एक्सट्रैक्शन और ग्राउंड लेवल सर्वे की विधियों पर प्रशिक्षण दिया।

कितना पानी जमीन में गया, इसकी भी होगी गणना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक निर्माण विभाग द्वारा मप्र में बनाए गए 80 आरओबी (रोड ओवर ब्रिज) और 7 फ्लाई ओवर के नीचे और बगल में वाटर हार्वेस्टिंग पॉइंट बनाए जाएंगे। फ्लाई ओवर में 1 भोपाल का, 3 रीवा के, 1 सतना का, 1 जबलपुर और 1 देवास का शामिल है। शुरुआत भोपाल से होगी। मंत्री ने इसको लेकर 21 मई को विभागीय इंजीनियरों को काम करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इंजीनियरों की एक टीम सर्वे कर रही है और इसकी जानकारी जमा की जा रही है। काम से जुड़े लोगों ने बताया कि यह वाटर हार्वेस्टिंग पाइंट ब्रिज की बनावट के हिसाब से तय किए जाएंगे। जैसे भोपाल में तीन पिलर के बीच में एक पाइंट होगा, वहीं दूसरे जगहों पर इसकी दूरी घटाई या बढ़ाई जा सकती है। इतना ही नहीं आरओबी और फ्लाइओवर से कितना पानी जमीन में गया, इसकी गणना भी की जाएगी। जो जानकारी अब तक विभाग के इंजीनियरों ने जुटाई है, उसमें सामने आया कि आरओबी का पूरा पानी नालियों में जा रहा है या सड़कों पर भर रहा है। विभागीय मंत्री राकेश सिंह ने करीब 15 दिन पहले 7 चीफ इंजीनियर दलों से प्रदेश के 7 जिलों में किए गए कुल 35 निर्माण कार्यों के निरीक्षण प्रतिवेदनों पर चर्चा की थी। इसी में उन्होंने बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया था मानसून से एलिवेटेड कॉरिडोर से वर्षा जल पुनर्भरण की योजना बनाई जाए। उन्होंने इसके लिए जबलपुर में निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा था कि सभी फ्लाइओवर्स और एलिवेटेड संरचनाओं में वर्षा जल निकासी को रिचार्ज बोर से जोड़ने का प्रयास करें। साथ ही सभी फ्लाइओवर्स से संभावित भूजल पुनर्भरण की गणना की जाए। इसके बाद इस पर काम शुरू हुआ और गुरुवार को इसी विषय पर बैठक व सेमिनार भोपाल में आयोजित होगा। जिसमें खुद मंत्री मौजूद रहेंगे। यहां प्रेजेंटेशन होगा कि कैसे विभाग वाटर हार्वेस्टिंग पाइंट पर काम करेगा और यह कितनी दूरी तक होंगे।

राज्यपाल पटेल ने रामफल का पौधा रोप कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजभवन के नवग्रह उद्यान में पौधारोपण किया। उन्होंने रामफल का पौधा लगाया। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों से भी पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्म दिवस, वर्षगांठ आदि पर एक पेड़ अवश्य लगाएं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता ने लीची का पौधा लगाया। अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव ने सिंदूर का पौधा लगाया।

राजगढ़ और बालाघाट के एसपी बदले

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश सरकार ने सागर रेंज के आईजी को दो दिन में ही बदल दिया है। बुधवार रात में जारी आदेश में आईजी महिला सुरक्षा हिमानी खन्ना को आईजी सागर बनाया है। उन्हें डायरेक्टर जेएनपीए का अतिरिक्त प्रभाव सौंपा है। इससे पहले 1 जून को जारी आदेश में चंद्रशेखर सोलंकी को इंदौर रेंज के एसएएफ आईजी के पद से आईजी सागर के पद पर पदस्थ किया था। बुधवार देर रात जारी आदेश में यह तबादला निरस्त कर दिया गया है। इसके साथ ही राजगढ़ और बालाघाट के पुलिस अधीक्षक भी बदले गए हैं।

हिमानी खन्ना

चंद्रशेखर सोलंकी

प्रतिनियुक्ति से लौटे अमित तोलानी को राजगढ़ का नया एसपी बनाया गया है। वहीं, आदित्य मिश्रा बालाघाट के नए पुलिस अधीक्षक होंगे। बुधवार को गृह विभाग ने 8 अफसरों के तबादले के आदेश जारी किए। डीआईजी प्रबंध पुलिस मुख्यालय सुनील कुमार पांडे को डीआईजी सागर बनाया है। डी कल्याण चक्रवर्ती को डीआईजी एसएएफ मुख्यालय पुलिस मुख्यालय से डीआईजी छिंदवाड़ा रेंज में पदस्थ किया है। बालाघाट एसपी नागेंद्र सिंह को सेनानी 25वीं वाहिनी विसबल भोपाल पदस्थ किया है।

24वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल सेनानी जावरा रतलाम में पदस्थ आईपीएस अमित तोलानी को पुलिस अधीक्षक राजगढ़ और राजगढ़ एसपी आदित्य मिश्रा को बालाघाट एसपी पदस्थ किया है। इसके साथ ही सोनाली दुबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जबलपुर को एआईजी पीएचक्यू पदस्थ किया है।

कटनी एसपी अभिजीत रंजन, दतिया के एसपी वीरेंद्र कुमार, चंबल रेंज के आईजी सुशांत कुमार सक्सेना और डीआईजी कुमार सौरभ को हटा दिया गया है। खुद सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर इन अधिकारियों को हटाए जाने की जानकारी दी है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान -2025 के तहत सीएमएचओ कार्यालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में हुआ पौधारोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत स्वास्थ्य संस्थाओं में पौधारोपण किया गया। इस अवसर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सहित सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में पौधारोपण कर इनके संरक्षण की शपथ ली गई। सीएमएचओ कार्यालय परिसर भोपाल में डॉ. प्रभाकर तिवारी ने सिंदूर,आंवला, तुलसी सहित विभिन्न औषधीय पौधे लगाए। इस दौरान विभागीय अमले को पौधों के हमारे जीवन में महत्व की जानकारी देते हुए इनके संरक्षण और संवर्धन की शपथ दिलवाई गई। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन है। शासकीय

स्वास्थ्य संस्थाओं में आयोजित पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रमों में स्थानीय नागरिकों को पर्यावरण असंतुलन से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। पर्यावरण बचाव और सुधार के लिए जागरूकता हेतु पोस्टर प्रतियोगिता, रैली, रंगोली सहित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पर्यावरण संरक्षण के लिए बायो मेडिकल वेस्ट के पृथककरण, स्वच्छता, संक्रमण नियंत्रण, बिजली व पानी के समुचित उपयोग के संबंध में उन्मुखीकरण किया गया। जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में पर्यावरण प्रदूषण को कम करने के लिए निरंतर रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों के उपयोग, ऊर्जा संरक्षण, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार, सेहतमंद जीवन शैली अपनाने, ई-वेस्ट को कम करने, कूड़ा कचरा कम करने एवं अपशिष्ट प्रबंधन की जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण का प्रभाव बुजुर्गों,गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों, गर्भवती महिलाओं एवं छोटे बच्चों पर सर्वाधिक होता है।

चिकित्सालय में उत्कृष्ट उपचार सुविधाएं सुनिश्चित करें - संभागायुक्त सिंह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने कहा है कि पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेदिक चिकित्सालय एवं महाविद्यालय में इलाज कराने आने वाले मरीजों को सुगमता से अच्छी उपचार सुविधा मिले यह सुनिश्चित किया जाए। कम्पोजिट भवन परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य समस्त उपाय किए जाएं। संस्थान के लिए क्रय किए जाने वाली सामग्री उत्तम गुणवत्ता की हो तथा शासन के नियमानुसार क्रय की जाए। संस्थान के भवन, उपकरणों के रख-रखाव का विशेष ध्यान रखा जाए तथा सेवाएं भी उत्कृष्ट हों।

संभागायुक्त श्री संजीव सिंह ने आज संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान की कार्यकारिणी समिति की बैठक ली। बैठक

में प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला, संयुक्त आयुक्त विकास श्री विनोद यादव सहित सभी संबंधित उपस्थित थे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सुरक्षा की दृष्टि से संस्थान परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम प्राथमिकता से किया जाए। बैठक में संस्थान में इन्डोर स्पोर्टस काम्पलेक्स निर्माण हेतु प्राक्कलन प्रस्तुत किया गया।

बैठक में संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि इन्डोर स्पोर्टस काम्पलेक्स में क्रय किए जाने वाली सामग्री उच्च गुणवत्ता की हो एवं बेडमिंटन कोर्ट आदि का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानदण्डों के अनुरूप किया जाए। प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण एवं पुस्तकालय के लिए पुस्तकों का क्रय नियमानुसार किया जाए। बैठक में संस्थान में पाठ्यक्रम सत्र 2025-26 में बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने, संस्थान में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों, शिक्षक, कर्मचारियों आदि की वेतनवृद्धि, अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किए जाने, संस्थान चिकित्सालय में दैनिक उपयोग की सामग्रियां क्रय किए जाने, पी एंड टी विभाग में आडियोमेट्री मशीन क्रय, लिफ्ट के एनुअल मेटेनेंस, एक्स रे मशीन की कार्योत्तर स्वीकृति, डीप फ्रीजर क्रय, आदि के संबंध में प्रस्ताव रखे गए तथा निर्णय लिए गए।

दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने गठित समिति की बैठक 09 जून

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सीधी जिले के लिए जिला स्तर एवं विधानसभा स्तर पर दिव्यांग मतदाताओं व वरिष्ठ नागरिकों की चुनाव प्रक्रि या में अधिकतम सहभागिता व साझेदारी को सुनिश्चित करने, उनको दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा एवं उपायों को कारगर बना कर सुलभ चुनाव संपादित करने हेतु गठित समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं।

आदेश के परिपालन में कलेक्टर जिला सीधी की अध्यक्षता में दिनांक 09.06.2025 को दोपहर 1.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई है। उन्होने सभी संबंधितों को सूचित किया है कि नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में किसानों को धान की डीएसआर पद्धति की दी गई सलाह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र सीधी एवं कृषि अधिकारियों द्वारा किसानों को धान की डीएसआर पद्धति अपनाने की सलाह दी गई। विकसित कृषि संकल्प अभियान में आठवें दिन पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड में बड़ोखर, बूसी, भेलकी, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड में पखरौही, सैरपुर, पटेहरा एवं तीसरे दल द्वारा मझौली विकासखंड में दरिया, टिकरी एवं भुमका में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कृषक संगोष्ठी में कृषि विभाग द्वारा जिले के किसानों को बताया गया कि धान की डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति एक नवोन्मेषी और टिकाऊ कृषि तकनीक है, जिसमें धान के बीजों को सीधे खेत में बोया जाता है, बिना नर्सरी तैयार किए या रोपाई की प्रक्रिया अपनाए। इस विधि में बीजों को मशीनों या हाथों से उपयुक्त नमी वाले खेत में व्यवस्थित रूप से बोया जाता है, जिससे पानी, श्रम और समय की काफी बचत होती है।

पारंपरिक रोपाई विधि की तुलना में डीएसआर पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल है, क्योंकि यह जल संसाधनों का कम उपयोग करती है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करती है। इस पद्धति में खेत की अच्छी तरह जुताई, समतल करना और उचित बीज दर का उपयोग आवश्यक है ताकि अंकुरण और फसल वृद्धि बेहतर हो। डीएसआर में खरपतवार प्रबंधन एक चुनौती हो सकती है, जिसके लिए समय पर खरपतवारनाशी दवाओं का उपयोग या यांत्रिक निराई जरूरी है।

इसके अतिरिक्त, मिट्टी की उर्वरता, सिंचाई व्यवस्था और कीट नियंत्रण का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। उचित प्रबंधन के साथ, डीएसआर पद्धति न केवल लागत को कम करती है, बल्कि उच्च उत्पादकता और स्थिरता प्रदान करती है, जिससे यह भारतीय किसानों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन रही है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत 08.06.2025 को पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन विकासखंड में कपुरी वेदोंलिहान, पचोखर, दुअरा, दूसरे दल द्वारा सिहावल विकासखंड में कुचवाही, जनकपुर, मुझरेठीखुर्द एवं तीसरे दल द्वारा मझौली विकासखंड में महखोर, खजुरिहा, मझिगवा में कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

एक जून से जीपीएफके प्रकरण ऑनलाइन ही प्रेषित किये जायेंगे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी मुकेश तिवारी ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन वित्त विभाग के परिपत्र दिनांक 21.04.2025 एवं कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के परिपालन में दिनांक 01 जून 2025 से सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) के प्रकरण ऑनलाईन माध्यम से ही कार्यालय महालेखाकार म.प्र. ग्वालियर की ओर प्रेषित किया जाना अनिवार्य है। दिनांक 01.06.2025 से एजीएमपी ग्वालियर द्वारा ऑफ्लाइन (भौतिक जीपीएफ के प्रकरण) प्रकरण स्वीकार्य नहीं किये जावेंगे।

उन्होने समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारी को अवगत कराया है कि जीपीएफ अंतिम भुगतान के प्रकरण नियमानुसार ऑनलाईन करते हुए (मृत से.नि.शासकीय सेवक की स्थिति में डीडीओ कार्यालय द्वारा एप्लाई ऑन बीहाल्फ सुविधा का उपयोग करते हुए) आवेदन प्रेषित करेंगे। ऑनलाईन आवेदन के साथ जीपीएफ पासबुक एवं अन्य आवश्यक जरूरी दस्तावेज को स्कैन कर प्रकरण के साथ ऑनलाईन एजीएमपी ग्वालियर की ओर प्रेषित की जायेगी।

शासकीय आईटीआई में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 जून को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कौशल विकास संचालनालय के तत्वाधान में तथा शासकीय आईटीआई के प्राचार्य के सहयोग से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सतना में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 12 जून को प्रातः 10 बजे से किया जायेगा। जिसमें कंपनी मायलॉन लेबोराट्रीज लिमिटेड पीथमपुर धार में शैक्षणिक योग्यता 10वीं, फिटर, टर्नर, मशीनिष्ट, इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर, मोटर मैकेनिक, व्हीकल इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर, इंजीनियरिंग ट्रेड में शासकीय आईटीआई में एनसीवीटी/एससीवीटी वर्ष 2024-25 में 60 प्रतिशत के साथ प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण अंतिम वर्ष में प्रशिक्षणरत पुरूष अभ्यर्थी शामिल हो सकते है। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं अधिक आयु 25 वर्ष निर्धारित है। प्लेसमेंट ड्राइव में आवेदक अपने समस्त मूल प्रमाण पत्रों एवं बायोडाटा सहित निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

सभी कोषालय अधिकारियों को डाटा की पुष्टि के लिए दिए गये निर्देश

राज्य स्तरीय वित्तीय इंटेलिजेंस सेल की है जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य शासन द्वारा रेगुलर और नॉन रेगुलर कर्मचारियों के डाटा का परीक्षण आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर के माध्यम से नियमित रूप से किया जा रहा है। यह एक निरंतर प्रक्रि या है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को समय-समय पर पत्र लिखकर डाटा की पुष्टि के लिए निर्देश दिए गये है।

आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय के अंतर्गत एक राज्य वित्तीय इंटेलिजेंस सेल (एस.एफआई.सी.) संचालित है जो नियमित अंतराल पर कोषालय के डाटा का विश्लेषण करता है। जिसमें कर्मचारियों के वेतन आहरण की मॉनिटरिंग भी की जाती है। इस सेल द्वारा ऐसे लगभग 50 हजार कर्मचारियों के कर्मचारी कोड के डेटा का विश्लेषण किया गया, जिनके पिछले चार महिनों से वेतन का आहरण कोषालय सॉफ्टवेयर से नहीं किया गया। इसलिए ऐसे कर्मचारियों के विवरण का सत्यापन कोषालय अधिकारियों के माध्यम से संबंधित डी.डी.ओ. से करवाये जाने हेतु आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं। यह एक निरंतर प्रक्रि या है जो समय-समय पर आयुक्त कोष एवं लेखा कार्यालय द्वारा की जाती है।

माह दिसंबर 2024 के डाटा का परीक्षण कर पाया गया कि ऐसे कर्मचारी हैं जिनके एम्पलाई कोड आवंटित है किंतु सेवानिवृत्ति तिथि की प्रविष्टि नहीं हुई है। आईएफएमआईएस सॉफ्टवेयर में एग्जिट प्रक्रि या भी पूरी नहीं हुई है, फिर भी चार माह से वेतन आहरण नहीं किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यालय आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा सभी कोषालय अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि संबंधित आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को संबंधित डाटा प्रदान कर 15 दिन में कारण सहित पुष्टि करायी जाए। उनके द्वारा वेतन आहरण किस कारण से नहीं किया जा रहा है। आहरण एवं संवितरण अधिकारियों से प्राप्त जानकारी को कार्यालय आयुक्त कोष-लेखा को अवगत कराया जायेगा।

यदि डेटा के सत्यापन में कोई त्रुटि संज्ञान में आती है तो संभागीय संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा के माध्यम से तत्काल प्रतिवेदन भेजा जाना होगा। इससे स्पष्ट है कि रेगुलर और नॉन रेगुलर एम्पलाई के डाटा संबंधी परीक्षण और निरीक्षण एक सामान्य और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

प्रदेश के नगरीय निकायों में मानसून से पहले साफ-सफाई अभियान शुरू

आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास ने जारी किये दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन शहरी के अंतर्गत नगरीय निकायों ने शहरी क्षेत्र में साफसफाई का विशेष अभियान शुरू कर दिया है। विशेषकर बारिश के दौरान जल-भराव की स्थिति निर्मित न हो, इसके लिये नाले-नालियों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास कार्यालय ने दिशा-निर्देश जारी किये है।

साफसफाई अभियान 413 नगरीय निकायों में एक साथ शुरू किया गया है। शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों में आवासीय एवं सार्वजनिक क्षेत्र की नालियों से जमी हुई गाद निकालकर गहरी सफाई की जा रही है। वर्षा काल के दौरान जल का प्रवाह सतत रूप से हो सके, इसके लिये नालों के सभी छोर पर जाली लगाई जाना सुनिश्चित किया जा रहा है।

अतिक्रमण हटाने के संबंध में निर्देश: नगरीय निकायों को निर्देश दिये गये है कि नाले-नालियों के ऊपर से अतिक्र मण हटाने की कार्यवाही तत्काल की जाये। शहरी क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम के लिये ब्लीचिंग पॉउडर का छिड़काव भी किया जा रहा है। नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों के कार्यों की सतत निगरानी रखने के लिये भी कहा गया है। प्रदेश में 413 स्थानीय नगरीय निकाय है। इनमें नगरपालिक निगम 16, नगरपालिका परिषद 99 और नगर परिषद 298 है।

मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी इकाइयाँ: प्रदेश में सूखे कचरे के प्रसंस्करण के लिये 405 नगरीय निकायों में 360 मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी इकाइयों का निर्माण किया गया है, जिनके माध्यम से सूखे एवं गीले कचरे को अलग अलग घटकों में बाँटकर प्रसंस्करण के लिये भेजा जाता है। इन इकाइयों से सूखे कचरे की छटाई करके बेचे जाने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश के 100 प्रतिशत नगरीय क्षेत्रों में आवासों और व्यावसायिक क्षेत्रों से कचरा संग्रहण व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। इसके लिये नगरीय निकायों को 7082 मोटराइज्ड वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें सूखे, गीले के साथ कचरे के अन्य अवयवों को अलग-अलग रखने के लिये कंपार्टमेंट और जीपीएस सिस्टम लगाए गए हैं।

हिनौती गौधाम के निर्माणाधीन कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करें - उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने हिनौती गौधाम के सुचारू संचालन तथा निर्माणाधीन सभी कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा से पूर्व कार्यों को इस स्थिति तक ले आएं जिससे वर्षाकाल में कार्य प्रभावित न हो। सर्किट हाउस रीवा में आयोजित समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हिनौती गौधाम के लिए लालगांव से पहुंच मार्ग के दोनों तरफ सघन वृक्षारोपण कराएं तथा पहुंच मार्ग को दुरूस्त करने का कार्य करें। उन्होंने गौधाम में वर्षाकाल में वृक्षारोपण किए जाने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। उप मुख्यमंत्री ने गौधाम में गौ सेवकों व अन्य स्टाफ की नियुक्ति कर गौधाम के व्यवस्थित संचालन के लिए भी निर्देशित किया। शुक्ल ने कहा कि जन सहयोग से प्रारंभ की गई यह गौशाला अब गौधाम का रूप ले रही है। सभी के सहयोग से तथा शासन से प्राप्त राशि से मास्टर प्लान के अनुसार गौधाम में गौवंश के लिए शेड, सड़क, पानी के हौज, भूसा शेड आदि के कार्य प्रगतिरत हैं। प्रशासनिक भवन/गेस्ट हाउस भी निर्माणाधीन है। सभी कार्य नियत समय पर पूरे हो जाएंगे और यह गौधाम प्रदेश का विशिष्टतम गौधाम बनेगा। बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने गौधाम में पानी की व्यवस्था के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में विधायक मनगवां इंजीनियर नरेन्द्र प्रजा?पति, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम राजेश सिन्हा, संयुक्त संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, जनपद अध्यक्ष गंगेव विकास तिवारी, गौ संवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस के प्रकरणों में मौसमी वृद्धि के दृष्टिगत सतर्कता बरतने व हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर तैयारी के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव ने एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस के प्रकरणों में मौसमी वृद्धि के दृष्टिगत प्रदेश के समस्त जिलों के कलेक्टर, डीन मेडिकल कॉलेज, सीएमएचओ और सिविल सर्जन को इन्फेशेंट केयर इंस्टिट्यूशन्स की तैयारी की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। ज़ारी आदेश में यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि सभी डायग्नॉस्टिक फैसिलिटीज़, आवश्यक दवाएं, पीपीई किट्स, आईसोलेशन बेड्स, मेडिकल ऑक्सीजन, आईसीयू तथा वेंटिलेटर सपोर्टेड बेड्स की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे। साथ ही पीएसए प्लांट्स की कार्यशीलता सुनिश्चित करने के लिए मॉक ड्रिल्स कराई जाए।

कोविड-19 की रोकथाम के मॉडिफाइड सर्विलांस स्ट्रैटेजी अनुसार एसएआरआई मामलों और न्यूनतम 5: आईएलआई मामलों के सैम्पल्स की टेस्टिंग की जाए। कोविड पॉज़िटिव पाए गए एसएआरआई पेशेंट्स के सैम्पल्स को होल जीनोमिक सीक्वेंसिंग के लिए क्षेत्रीय वीआरडीएल सेंटर्स को भेजे जाने के निर्देश हैं।

जिला स्तर पर कार्यरत डिस्ट्रिक्ट सर्विलांस यूनिट्स को अपने क्षेत्रों में आईएलआई / एसएआरआई ट्रेंड्स पर करीबी निगरानी रखने और एसएआरआई केस रेश्यो की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए कहा गया है। निर्देश दिए गए हैं कि सभी कोविड-19 संबंधित डेटा, जिसमें को-मॉर्बिडिटीज़ की जानकारी भी सम्मिलित हो, आईडीएसपी-आईएचआईपी पोर्टल पर नियमित रूप से दर्ज किया जाए। सभी सूचनाएं स्टेट सर्विलांस यूनिट को भेजी जाएं और सार्थक पोर्टल पर भी अपलोड किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

सामुदायिक स्तर पर कोविड उपयुक्त व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता गतिविधियों के संचालन के निर्देश दिए गए हैं। इसमें हाथ धोने की आदत, रेस्पिरेटरी हाइजीन, खाँसते/छींकते समय मुँह ढकना, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकना आदि व्यवहार शामिल हों। वरिष्ठ-जन, को-मॉर्बिड एवं इम्यूनो-कम्प्रोमाइज्ड व्यक्तियों को कम हवादार या भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से बचने और ऐसे क्षेत्रों में फेस मास्क्स का प्रयोग करने के लिए कहा गया है।

तीव्र श्वसन संक्रमण के लक्षण वाले लोगों को अपने स्वास्थ्य की सेल्फ-मॉनिटरिंग करने और यदि उन्हें सांस लेने में तकलीफ़ सीने में दर्द या अन्य गंभीर लक्षण हों तो निकटतम हेल्थ फैसिलिटी से तुरंत संपर्क करने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

डिस्पोज़ल के विकल्प में स्टील बर्तन बैंक का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कल्पना कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने म.प्र. शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के निवास पहुंचकर उन्हें पुष्प गुच्छ से स्वागत करते हुए विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून को प्लास्टिक डिस्पोजल के विकल्प स्टील बर्तनों के महामृत्युंजय कंपलेक्स दुकान 17 में पूरा शुभारंभ करने की संक्षिप्त जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री जी ने कल्पना कल्याण समिति के सदस्यों को स्टील बर्तनों के शुभारंभ होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इंजीनियर आशा सिंह भाटिया की संघर्षमई जीवनी पर प्रकाशित पुस्तक का भी उप मुख्यमंत्री जी ने अपने कर कमल से विमोचन किए। इस अवसर पर बीपी सिंह, जी पी विश्वकर्मा, एसपी नामदेव अमित गुप्ता, मनोज चड्ढा आदि उपस्थित रहे।

पौष्टिक आहार से कोई वंचित न रहे, अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर खाद्य सुरक्षा में सहयोग के लिए किया आहवान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खाद्य पदार्थ हमारे लिए प्रकृति का अनमोल उपहार हैं, जिसका सदुपयोग सभी का दायित्व है। अन्न की बर्बादी रोकना सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से खाद्य सुरक्षा में सहयोग के लिए संकल्प लेने का आहवान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का दिन इस बात के लिए जागरूक करता है कि अन्न का एक भी दाना व्यर्थ न जाए और पौष्टिक आहार से कोई भी वंचित न रहे।

अक़ीदत मंदी के साथ मनाया गया क़ुरबानी का प्रतीक ईद उल अजहा पर्व, नमाज़ पढ़कर मिले, मांगी अमन चैन की दुआ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। इस्लामिक कैलेंडर के 12 वें महीने ज़िलहिज्जा की 10 तारीख अंग्रेजी तारीख 07 जून को पूरे देश की तरह रीवा शहर एवं जिले में भी क़ुरबानी की भावना का प्रतीक ईद उल अज़हा पर्व पूरी शाइस्तगी एवं अक़ीदतमंदी के साथ मनाया गया, सुबह मुस्लिम भाई ग़ुस्ल आदि से फ़ारिग होकर इस्लामिक लिबास मे नमाज़ स्थलों में एकत्र हुए तथा ईद उल अज़हा की दो रकात वाजिब नमाज़ अदा की।

शरीअत हिलाल तस्दीक़ कमेटी द्वारा ईदगाह सहित शहर के 22 नमाज स्थलों में नमाज का वक्त मुकर्रर किया गया था, इसी के मुताबिक बीहर नदी के तट पर स्थित मुख्य ईदगाह घोघर रीवा में तकरीबन 15 हज़ार मुस्लिम भाइयों को शहर क़ाज़ी मुफ्ती मोहम्मद मुबारक अजहरी ने ईद उल अजहा की दो रकात नमाज अदा कराई।

उक्त आशय की जानकारी प्रेस को जारी करते हुए शरीअत हिलाल तस्दीक़ तस्दीक़ कमेटी के सेक्रेटरी एड. महमूद खान ने बताया कि ईदगाह के मेंबर से खिताब करते हुए शहर क़ाज़ी मुफ्ती मुबारक अजहरी साहब ने कहा कि ईद उल अजहा के मौके पर जानवर की क़ुरबानी देकर हम परवरदिगार के नबी हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत अदा करते हैं पर इसके साथ ही हमें तकब्बुर (घमंड), हसद (ईर्षा) सहित तमाम बुराइयों की भी क़ुरबानी देनी चाहिए ताकि हम अपनी दुनिया की जिंदगी को इस्लाम के उसूलों के मुताबिक ढाल सकें, शहर क़ाज़ी ने अपने ख़िताब के आखिर में ईदगाह के मेंबर से यह पैगाम दिया कि ग़मी के मौके (तीजा और चालिस्वां वगैरह) पर जो दावत की रस्म है वह जायज़ नहीं है बल्कि उसे बंद करना ज़रूरी है।

नमाज के बाद शहर काजी मुफ्ती मोहम्मद मुबारक अजहरी ने परवरदिगार की बारगाह में हाथ फैलाकर मुल्क एवं अपने शहर में अमन चैन खुशहाली के साथ हाजियों के हज को क़ुबूल करने की जा रही क़ुरबानी को क़ुबूल करने

की दुआ मांगी। शहर की अन्य 21 मस्जिदों में मुकामी पेश इमामों ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई, केंद्रीय जेल में मुस्लिम बंदियों को भी कमेटी द्वारा नियुक्त पेश इमाम मौलाना रऊफ रज़वी ने जेल स्थित मस्जिद में नमाज़ अदा कराई, त्यौहार के मौके पर प्रशासन द्वारा कमेटी की मांग के अनुरूप सभी आवश्यक प्रबंध किए गए।

नमाज़ स्थलों तथा उनसे सम्बद्ध मार्गो में यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही, नमाज़ के उपरांत मुस्लिम भाइयों ने अपने-अपने घरों में क़ुरबानी अदा की क़ुरबानी का सिलसिला 09 जून तक चलता रहेगा त्यौहार को लेकर बच्चों और नौजवानों में विशेष उत्साह देखने को मिला, हिंदू भाइयों ने मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद पेश की, जिले के अन्य कस्बाई इलाकों में भी ईद उल अजहा का त्योहार पूरी अक़ीदतमंदी के साथ मनाया गया।

ईद उल अजहा का त्योहार शांति एवं सद्भाव पूर्वक संपन्न होने पर शरीअत हिलाल तस्दीक़ कमेटी के सदर एवं शहर काजी मुफ्ती मुहम्मद मुबारक अजहरी, नायब सदर गाजी नजीर खान, सेकेट्री एड. महमूद खान, ख़जाँची अनस अब्बासी, ज्वाइंट सेकेट्री मोहम्मद आबाद खान, सम्मानित सदस्य हाजी डॉ0 अनीस सिद्दीक़ी, एड. शौकत उमर निज़ामी, कार्य. सदस्य मोइनुद्दीन शेख, अली अहमद, हाजी यामीन खान, डॉ0 शोएब खान, डॉ0 महमूद खान, सदस्य समीउल्लाह बब्बू, जावेद अंसारी, हाजी निजाबत, शौकत अली, परवेज़ मुस्तफा, डी.डी. खान, निजामुद्दीन अंसारी, मुनव्वर अली, इक़बाल खान, आसिफ खान, मसूदुल हक़, आकिब खान, मोहम्मद अली, अंसारी, वसीउल्लाह अंसारी, इस्लाम अहमद गुड्डू, मोहम्मद अतीक़ खान, रिजवान सिद्दीकी, शहीद खान आदि ने समस्त प्रशासनिक अधिकारियों सहित सभी भाइयों, प्रिन्ट एवं मीडिया के प्रति शुक्रिया का इजहार किया है।

सांसद मिश्र विकसित कृषि संकल्प अभियान में हुए शामिल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत विकासखंड रायपुर कर्चुलियान के ग्राम पंचायत रामनई में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में रीवा जिला दिनोंदिन उन्नति की ओर अग्रसर है। जिले में अभी बाणसागर की नहरों से सिंचाई की सुविधाएं मिल रही हैं उन्हें आने वाले दिनों में दुगना कर दिया जाएगा और जिले की एक-एक इंच भूमि सिंचित हो जाएगी। उप संचालक कृषि यू पी बागरी एवं अजय कुमार पांडेय कृषि वैज्ञानिक ने कृषकों को उन्नति कृषि तकनीक, उन्नति बीज के उपयोग, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, सुपर सीडर की उपयोगिता एवं आने वाले खरीफ फसलों की तैयारी के संबंध में आवश्यक जानकारी दी। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत बड़ोखर में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। सरपंच मानवती साकेत की उपस्थिति में कृषि वैज्ञानिक डॉ. ए के पटेल, सहायक कृषि यंत्री मुनीश पाण्डेय, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सरल, बीटीएम दीपक वास्तव एवं कृषि विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी बबीता साकेत, आदर्श पाण्डेय, अभिषेक शर्मा ने कृषि एवं कृषि अभियांत्रिकी से संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी किसानों को दी। किसानों को उद्यानिकी फसलों के संबंध में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम में 113 किसान उपस्थित रहे।

विचार

सुपरकंडक्टिविटी के क्षेत्र में रॉबर्ट श्राइफ़र का योगदान

जॉन रॉबर्ट श्रीफ़र, एक भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने सुपरकंडक्टिविटी के अग्रणी सिद्धांत को विकसित करने के लिए 1972 के नोबेल पुरस्कार में हिस्सा लिया। रॉबर्ट श्राइफ़र का जन्म 31 मई, 1931, तल्हासी, फ्लोरिडा में हुआ एक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी और विजेता थे, जॉन बार्डीन और लियोन एन. कूपर के साथ, बिसीएस सिद्धांत सुपरकंडक्टिविटी का पहला सफल सूक्ष्म सिद्धांत विकसित करने के लिए 1972 का नोबेल पुरस्कार जीता ।श्राइफ़र ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, कैम्ब्रिज और इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैंपेन में शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने 1957 में पीएचडी प्राप्त की। वह इलिनोइस विश्वविद्यालय में बार्डीन के अधीन काम करने वाले एक युवा स्नातक छात्र थे, जब उन्होंने यह समझाने में मदद की कि धातुएँ बहुत कम तापमान पर अपना विद्युत प्रतिरोध क्यों खो देती हैं।श्रिफ़र ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो (1957-59) और यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलिनोइस (1959-62) में पढ़ाया, इससे पहले कि वे यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेनसिल्वेनिया, फिलाडेल्फिया के संकाय में शामिल हो गए, जहाँ 1964 में उन्हें मैरी अमांडा वुड भौतिकी के प्रोफेसर के रूप में नामित किया गया। 1992 में फ़्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में जाने से पहले श्रिफ़र कॉर्नेल यूनिवर्सिटी (1969-75) में एंड्रयू डी. व्हाइट प्रोफ़ेसर थे और यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, सांता बारबरा (1980-91) में भौतिकी के प्रोफ़ेसर थे। उन्होंने 1964 में थ्योरी ऑफ़ सुपरकंडक्टिविटी प्रकाशित की। अपने सहकर्मियों जॉन बार्डीन और लियोन कूपर के साथ मिलकर, श्रीफ़र को बीसीएस सिद्धांत विकसित करने के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसे अतिचालकता का पहला सफल सूक्ष्म सिद्धांत माना जाता है, जिसमें कुछ सामग्रियों की व्यावहारिक रूप से शून्य प्रतिरोध के साथ बिजली का संचालन करने की क्षमता शामिल है

अमेरिकी भौतिकविदों जॉन बार्डीन, लियोन एन. कूपर और जॉन आर. श्रीफ़र द्वारा बीसीएस सिद्धांत अतिचालक पदार्थों के व्यवहार को समझाने के लिए विकसित एक व्यापक सिद्धांत है। जब अतिचालक को पूर्ण शून्य के करीब तापमान पर ठंडा किया जाता है, तो वे अचानक विद्युत प्रवाह के प्रवाह के लिए सभी प्रतिरोध खो देते हैं। कूपर ने पाया था कि सुपरकंडक्टर में इलेक्ट्रॉन जोड़े में समूहीकृत होते हैं, जिन्हें अब कूपर जोड़े कहा जाता है, और एक एकल सुपरकंडक्टर के भीतर सभी कूपर जोड़ों की गति सहसंबद्ध होती है; वे एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करते हैं जो एक एकल इकाई के रूप में कार्य करती है। सुपरकंडक्टर पर विद्युत वोल्टेज के अनुप्रयोग से सभी कूपर जोड़े गति करते हैं, जिससे करंट बनता है। जब वोल्टेज हटा दिया जाता है, तो करंट अनिश्चित काल तक बहता रहता है क्योंकि जोड़े किसी विरोध का सामना नहीं करते हैं। करंट को रोकने के लिए, सभी कूपर जोड़ों को एक ही समय में रोकना होगा, जो एक बहुत ही असंभव घटना है। जैसे ही एक सुपरकंडक्टर गर्म होता है, उसके कूपर जोड़े अलग-अलग इलेक्ट्रॉनों में अलग हो जाते हैं, और सामग्री सामान्य या गैर-सुपरकंडक्टिंग बन जाती है।श्रिफ़र ने याद किया कि जनवरी 1957 में वे न्यूयॉर्क शहर में एक सबवे पर थे, जब उन्हें गणितीय रूप से सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रॉनों की मूल अवस्था का वर्णन करने का विचार आया। श्रिफ़र और बार्डीन के सहयोगी कूपर ने पाया था कि सुपरकंडक्टर में इलेक्ट्रॉन जोड़े में समूहीकृत होते हैं, जिन्हें अब कूपर जोड़े कहा जाता है, और यह कि एक एकल सुपरकंडक्टर के भीतर सभी कूपर जोड़ों की गतियाँ सहसंबद्ध होती हैं और फ़ोनॉन-इलेक्ट्रॉन इंटरैक्शन के कारण एक एकल इकाई के रूप में कार्य करती हैं। श्रिफ़र की गणितीय सफलता प्रत्येक व्यक्तिगत जोड़े के बजाय एक ही समय में सभी कूपर जोड़ों के व्यवहार का वर्णन करना था। इलिनोइस लौटने के अगले दिन, श्रिफ़र ने अपने समीकरण बार्डीन को दिखाए, जिन्होंने तुरंत महसूस किया कि वे समस्या का समाधान थे। सुपरकंडक्टिविटी के बी सी एस सिद्धांत (बार्डीन-कूपर-श्रिफ़र द्वारा की गई खोज), जैसा कि अब जाना जाता है, 30 से अधिक वर्षों के प्रायोगिक परिणामों के लिए जिम्मेदार था जिसने भौतिकी के कुछ महानतम सिद्धांतकारों को रोक दिया था।अतिचालकों के व्यवहार के कई अन्य पहलुओं को बी.सी.एस. सिद्धांत द्वारा समझाया गया है। सिद्धांत एक ऐसा साधन प्रदान करता है जिसके द्वारा कूपर जोड़ों को उनके व्यक्तिगत इलेक्ट्रॉनों में अलग करने के लिए आवश्यक ऊर्जा को प्रयोगात्मक रूप से मापा जा सकता है। उनका निधन ओक पार्क, इलिनोइस, यू.एस. में 27 जुलाई, 2019 हो गया है। वह 88 वर्ष के थे।उनके परिवार के सदस्यों का कहना है कि श्रीफ़र की शनिवार 27 जुलाई, 2019 को फ्लोरिडा के तल्हासी में एक नर्सिंग सुविधा में नींद में ही मृत्यु हो गई, जहां वह एक समय फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे।सुपरकंडक्टिविटी के इस खोज हेतु वैज्ञानिक क़ो इस क्षेत्र में एक नई दिशा विज्ञान के विकास में मिली इनका बी सी एस सिद्धांत विज्ञान की दुनिया में आज भी लोग याद करते हैं।

महासचिव पद पर असंवैधानिक नियुक्ति?

संसद की प्रशासनिक रीढ़ उसका सचिवालय और निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 98 मे स्पष्ट रूप से लोकसभा और राज्यसभा के लिए स्वतंत्र सचिवालय सेवा की स्थापना, कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रक्रिया और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। यह प्रावधान संसद को कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। पिछले दो दशकों से, इस संवैधानिक भावना एवं नियमों की खुली अवहेलना हो रही है। जिसके कारण संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं हो पा रही है। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे सर्वोच्च स्थान बना। वर्तमान में राजनीतिक कृपा प्राप्त अधिकारियों के कारण क्षीण होती जा रही है। आईएएस या अन्य सेवाओं के अधिकारी कार्यपालिका से सीधे जुड़े होते हैं। संसद के सचिवालय में उनकी नियुक्ति सत्ता के नियंत्रण का द्वार खोल देती है। वह सत्ता में बैठे हुए लोगों के इशारे में काम करते हैं। जिसके कारण संसदीय परंपराएं एवं संविधान की मूल भावना धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। सांसदों के अधिकार सीमित होते जा रहे हैं। जिस तरह से नियम और कानून संसद में बनाए जा रहे हैं। हो-हल्ले के बीच कानूनों को पास किया जा रहा है। संसद के अधिकार सरकार के जिम्मे किये जा रहे हैं। संसदीय

प्रशासनिक पदों पर संविधान का उल्लंघन करते हुए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों की नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं। यह पद संसदीय सचिवालय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। सचिवालय के सारे अधिकार लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा में सभापति के अधीन होते हैं। अब यहपरंपरा और अधिकार एक तरह से समाप्त होता जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। बल्कि लोकतंत्र के स्तंभों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को समाप्त करते हुए, सीधे-सीधे संविधान का उल्लंघन है। पूर्व में संसद सचिवालय सेवा से जुड़े विद्वान अधिकरी जैसे सुभाष कश्यप या योगेंद्र नारायण जैसे अधिकारियों ने इन पदों की गरिमा को स्थापित किया। संविधान और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए नियम और कानूनों को बनाने में बेहतर योगदान दिया। जिसके कारण भारत की संसदीय परंपरा सारी दुनिया में स्थापित हुई। सारी दुनिया में संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर भारत का एक विशेष नियमों की अवहेलना हो रही है। बार-बार नियमों मे संशोधन हो रहे हैं। जिसके कारण संसद, सांसदों, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की गरिमा भी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह स्थिति न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता और उनकी स्वतंत्रता पर भी कुठाराघात है। महासचिव जैसे पद पर बैठा अधिकारी सरकार से प्रभावित है। सरकार के कहने पर वह निर्णय कर रहा है। संसद की रिपोर्टों को सरकार को लीक करता है, या रोकता है। सांसदों की टिप्पणियों को दबा रहा है। संसदीय प्रक्रियाओं को पक्षपातपूर्ण सरकार के दबाव में उनमें बदलाव कर रहा है। इससे संसद की स्वतंत्रता, संविधान के प्रति जवाबदेही, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की शक्ति को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, संसद के भीतर की नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं संवैधानिक अनुशासन की पुनर्स्थापना हो। सुप्रीम कोर्ट और संसद की आंतरिक समितियों को इस गंभीर उल्लंघन पर संज्ञान लेना चाहिए। लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है, जब उसके स्तंभ स्वतंत्र और संवैधानिक मर्यादा के अधीन हों।

पिछले एक दशक में सरकार द्वारा बहुमत के आधार पर जिस तरह से संसद की कार्यवाही संचालित की जा रही है लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति आंख मूंदकर सरकार की बात को मानकर संसद की कार्यवाही को बहुमत के आधार पर चला रहे हैं। उसके परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय में सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालय में कार्यपालिका के अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे पद प्रशासनिक अधिकारियों के पास पहुंच गए हैं। जिनकी चाबी सरकार के पास होती है। लोकसभा और राज्यसभा के सत्र कम से कम होते चले जा रहे हैं। सरकार उन्हीं मामलों में चर्चा करती है, जिसमें वह कराना चाहती है। विपक्ष की आवाज पूरी तरह खत्म हो गई है। सांसदों को संसद के अंदर बोलने का मौका नहीं मिलता है। सांसदों को सदन के अन्दर जो बोलने की स्वतंत्रता थी, वह भी खत्म हो चली है। इसके लिए लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति जिम्मेदार हैं। जो सरकार की मंशा के अनुसार संसद की कार्यवाही को चला रहे हैं। संसद में सरकार के बिल हो हल्ले के बीच बिना चर्चा के पास हो रहे हैं। जिसके कारण अब संसद का वह महत्व नहीं रहा, जो संविधान ने उसे दिया था। लोकसभा का अध्यक्ष या राज्यसभा का सभापति सभी दलों के सांसदों के हितों की रक्षा करने वाला होता है। वह किसी राजनीतिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। पिछले कुछ सालों में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे ऐसा प्रतीत होता है, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का पद भी सरकार के अधीन हो गया है। अन्यथा, क्या कारण है कि जब सांसदों द्वारा सरकार से प्रश्न पूछे जाते हैं। किसी विषय में चर्चा कराना चाहते हैं। आसंदी उनके प्रश्न और उनकी मांग को ठुकराकर वही निर्णय करती है, जो सरकार चाहती है। संसद के सत्र इतने छोटे क्यों किये जा रहे हैं। अब सांसद स्वतंत्रता के साथ अपनी बात भी सदन के अंदर नहीं रख पाते हैं। सांसदों से संसद में अपनी बात रख पाने के पहले, उनसे प्रमाण मांगा जाता है। अध्यक्ष और सभापति को सांसदों के अधिकारों और संविधान के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता संविदान द्वारा दी गई थी। उस पर अब सरकार का दबाव बन गया है। संसद सचिवालय की यह अवहेलना धीरे-धीरे लोकतंत्र को निरर्थक बना देगी। अब यह कहा जाने लगा है, संसद पर सरकार का कब्जा हो गया है? संसद के पदाधिकारी एवं सांसद अपने अधिकारों की रक्षा स्वयं नहीं कर पा रहे हैं। आम नागरिकों के मौलिक एवं लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा किस तरह से कर पाएंगे। केन्द्र की तरह अब राज्यों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। जो चिंताजनक है।

पैसिव स्मोकिंग भी बन रही है मौत का कारण

बचपन से ही हम पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान तथा तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं और शरीर में कैंसर तथा कई अन्य बीमारियों को जन्म देते हैं लेकिन यह जानने-समझने के बाद भी जब हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते और विभिन्न तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत नहीं पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली हनुमान की भांति समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों से भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा करने के उद्देश्य से 'अपील का पर्दाफाश- तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। एक ओर जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है। गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से अमेरिका की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उसे इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं।

विश्वविद्यालयों में छात्र आंदोलन राष्ट्र की प्रगति के हित में हों

हाल में देखा गया कि कुछ विश्वविद्यालयों में जो छात्र आंदोलन हुए वो रास्ता भटक गए और अकादमिक विकास की बजाय राजनीतिक झगड़ों में तब्दील हो गए। इससे शिक्षा व्यवस्था की छवि खराब होती है और सीखने का समय बर्बाद होता है। ऐसे में आंदोलनरत छात्रों को शांति से बहस और चर्चा करनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को सीखने, शोध और राष्ट्रीय विकास के केंद्र होना चाहिए, न कि संघर्ष का स्थान।

भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी छात्र आबादी बहुत बड़ी है। अगर छात्र अपनी आवाज को समझदारी से इस्तेमाल करें, तो वे समस्याएं हल करा सकते हैं और देश को आगे बढ़ा सकते हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक मिशन है जो शिक्षा की गुणवत्ता सुधारता है, छात्रों को कुशल बनाता है और वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करता है। इस नीति के तहत अब छात्रों को विषयों का चुनाव, स्किल ट्रेनिंग और डिजिटल लर्निंग के विकल्प मिल रहे हैं। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम से शिक्षा में लचीलापन आया है।

हमें जॉब क्रिएटर चाहिए, सिर्फ जॉब सीकर नहीं। नेप नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। जहां तक मातृभाषा में शिक्षा का सवाल है तो इसमें छात्र गहराई से विषय को समझ पाते हैं और अपनी संस्कृति पर गर्व भी करते हैं। ऐसे में छात्रों को चाहिए कि वे इन परिवर्तनों का लाभ उठाएं और नकारात्मक आंदोलनों में समय बर्बाद करने की बजाय नवाचार और विकास में भाग लें। यहां

यह समझ लें कि अनुशासन का मतलब चुप्पी नहीं होता। छात्र सवाल कर सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं, यहां तक कि विरोध भी कर सकते हैं, लेकिन सम्मान और जिम्मेदारी के साथ। जान लें कि शिक्षा एक मजबूत राष्ट्र की नींव है। नारेबाजी से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, गहरी सीख और सच्चाई के साथ खड़े होकर नेता बनते हैं। वतर्मान में भारत को ऐसे छात्र नेताओं की ज़रूरत है जो अपने समूह से अधिक देश की सोचें। ऐसे में विश्वविद्यालयों को भी चाहिए कि वे खुली चर्चा, नियमित मार्गदर्शन और मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दें। आज़ादी की लड़ाई से लेकर विज्ञान और समाज सुधार तक, छात्रों ने ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ देश को दिशा दी है। हमें वही जोश फिर से लाना चाहिए। छात्र ऐसे भारतीय बनें जो ज्ञान, शांति और प्रगति में विश्वास रखते हों। छात्र आंदोलन ज़रूरी हैं, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय मूल्यों, शांति और बेहतर भविष्य की भावना से संचालित होना चाहिए। सूचित, जागरूक और सक्रिय होना अच्छा है, लेकिन इसके साथ-साथ सम्मान, विनम्रता और जिम्मेदारी भी ज़रूरी है। अब जरुरत इस बात की है कि विश्वविद्यालय नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास और नेप पर अधिक वर्कशॉप और सत्र आयोजित करें ताकि छात्र अपनी भूमिका बेहतर समझ सकें। अंततः हमारे छात्र हमारे देश का भविष्य हैं। यदि वे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो भारत अधिक मजबूत, बुद्धिमान और एकजुट होगा। ऐसे में आइए हम सब उन्हें प्रेम, मूल्य और दृष्टि से मार्गदर्शन दें।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 13 दिनों में प्रधानमंत्री से 2 बार की मुलाकात, बोधघाट-बिजली प्रोजेक्ट पर हुई बात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को दिल्ली से रायपुर लौटे। दिल्ली में सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बीते 13 दिनों में 2 बार प्रधानमंत्री मोदी से मुख्यमंत्री साय मिले हैं। दोनों बार बस्तर की बात ज्यादा हुई है। एक फाइल और खास तोहफा लेकर मुख्यमंत्री दिल्ली गए थे। फाइल में बस्तर में चल रहे नक्सल ऑपरेशन की जानकारी थी। बोधघाट प्रोजेक्ट को लेकर भी कुछ प्वाइंट राज्य सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री के सामने रखे। मुख्यमंत्री ने मांग रखी है कि कई सालों से अटके इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में केंद्र मदद करे। प्रधानमंत्री ने भी सहमति दी है।

खास तोहफे के तौर पर बस्तर के बेलमेटल से तैयार होने वाला नंदी लेकर मुख्यमंत्री दिल्ली गए थे, इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। प्रदेश की पहचान बन चुके इस तोहफे में इस बार कुछ अलग दिखा। नंदी के शरीर पर मुख भगवान गणेश का था, सींगों की जगह कलाकारी ऐसी थी कि ओम की आकृति नजर आ रही थी। अरे वाह कहकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने खुद बताया- मैंने प्रधानमंत्री से बोधघाट सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना के संबंध में विस्तार से चर्चा की और उन्हें बताया कि बस्तर संभाग के विकास की दृष्टि से इन परियोजनाओं की स्वीकृति अत्यंत महत्वपूर्ण है। मैंने प्रधानमंत्री को बताया कि बस्तर लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा है और इसलिए सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए यहां बहुत काम नहीं हो पाया है। बस्तर में कुल बोए गए क्षेत्र 8.15 लाख हेक्टेयर में से केवल 1.36 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधाएं विकसित हो पाई है।

सीएम ने कहा- दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 49 हजार करोड़ रुपए है। प्रस्तावित बोधघाट सिंचाई परियोजना से दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले के 269 गांव लाभान्वित होंगे, इससे खरीफ और रबी सीजन में 3,78,475 हेक्टेयर में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, परियोजना से 125 मेगावाट बिजली उत्पादित होगी। इससे 49 मि.घ.मी. पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित होगी और 4824 मीट्रिक टन सालाना मछली उत्पादन होगा। इससे अतिरिक्त रोजगार का सृजन होगा। इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना द्वारा इंद्रावती नदी का लगभग 100 टी.एम.सी. (2830 मि.घ.मी.) जल महानदी कछार में स्थानांतरित करने की योजना है। जिससे कांकेर जिले की भी 50 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सहित कुल 3 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

दोनों परियोजनाओं से कुल 7 लाख हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। बोधघाट बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना और इंद्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना के रूप में क्रियान्वित किया जाना प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इसे गंभीरता से सुना और इस पर विचार करने की बात कही है। इससे हमारा यह विश्वास प्रबल हुआ है कि बस्तर के सर्वांगीण विकास का हमारा उद्देश्य सफल होगा।

बोधघाट परियोजना से बस्तर में बड़े बदलाव आने वाले हैं। दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर में सिंचाई का रकबा प्रत्येक जिले में 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगा। राज्य के सिंचाई रकबे में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। परियोजना से पशुपालन, मछलीपालन, पर्यटन और परिवहन में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। बस्तर अंचल को कृषि से 4269 करोड़ की आय के साथ-साथ पशुपालन, मछलीपालन, औद्योगिक क्षेत्र को दिए जाए जाने पानी, पेयजल, पर्यटन से समेत अन्य स्त्रोतों से 6223 करोड़ की सालाना आय होने का अनुमान है।

बोधघाट परियोजना 40 साल से ज्यादा पुरानी

इस परियोजना को पनबिजली उत्पादन के लिए 1979 में पर्यावरणीय मंजूरी मिली थी। उस समय यह क्षेत्र अविभाजित मध्य प्रदेश के अंतर्गत आता था। यह कार्य इसलिए शुरू नहीं हो सका क्योंकि तत्कालीन सरकार का मानना था कि यह परियोजना बस्तर के आदिवासी बहुल लोगों के लिए उपयुक्त नहीं है। 20 वर्षों की निष्क्रियता के बाद, इस परियोजना को सिंचाई परियोजना में संशोधित कर दिया गया है, जिसका उद्देश्य बस्तर के हजारों गांवों को पानी उपलब्ध कराना है। बोधघाट सिंचाई परियोजना का लक्ष्य बस्तर की 72% कृषि योग्य भूमि को कवर करना है, जिससे कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा इस परियोजना की अनुमानित लागत 22,000 करोड़ रुपए है।

इससे 300 मेगावाट जल विद्युत उत्पादन होने की संभावना है। इस परियोजना के लिए दंतेवाड़ा के बारसूर गांव के पास एक बांध का निर्माण किया जाना है, जिससे 3,66,580 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई में मदद मिलेगी। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले माओवाद प्रभावित क्षेत्र हैं। वाप्कोस लिमिटेड को सर्वेक्षण, अनुसंधान और परियोजना से संबंधित मंत्रालयों से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रुकावट की वजह

पर्यावरणविदों को छत्तीसगढ़ सरकार के सर्वेक्षण और इंद्रावती नदी पर बोधघाट परियोजना के निर्माण पर आपत्ति है। कार्यकर्ता आदिवासी समुदायों के विस्थापन के मुद्दे उठा रहे हैं। विचार यह है कि आदिवासी लोगों को अपनी जमीन न खोनी पड़े। इसके अलावा 5010 हेक्टेयर निजी भूमि और 3068 हेक्टेयर सरकारी भूमि भी जलमग्न हो जाएगी। वनों को नुकसान उठाना पड़ेगा। इस परियोजना से इंद्रावती टाइगर रिजर्व, भैरमगढ़ जंगली भैंसा अभयारण्य और भारतीय जंगली भैंसों के अन्य आसपास के आवासों की पारिस्थितिकी भी प्रभावित होगी। मछलियां भी प्रभावित होती हैं, क्योंकि बांध मछलियों को भोजन और प्रजनन स्थलों के बीच प्राकृतिक मार्गों पर आगे बढ़ने से रोकते हैं।

बोधघाट परियोजना को करीब 45 साल पूरे हो चुके हैं। केंद्र सरकार ने जनवरी 1979 में बोधघाट परियोजना और आंध्रप्रदेश की पोलावरम परियोजना को मंजूरी दी थी। आज पोलावरम का काम 75 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि बोधघाट की नींव में एक पत्थर तक नहीं रखा गया है। केंद्रीय एजेंसी वाप्कोस ने सर्वे शुरू किया, जो पूरा हो गया। राज्य सरकार को रिपोर्ट सौंपी जा चुकी है। उधर, केंद्र सरकार ने हाइड्रोलॉजी रिपोर्ट को ओके कर दिया है। अब डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) पर काम जारी है। अब प्रधानमंत्री से सीएम की इस प्रोजेक्ट को लेकर हुई खास मीटिंग को नई शुरुआत माना जा सकता है।

प्रधानमंत्री और सीएम के बीच बस्तर को लेकर ये बातें हुई

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को बताया कि अब बस्तर का चेहरा बदल रहा है, जो कभी बंदूक और बारूदी सुरंगों के लिए जाना जाता था, आज वहां मोबाइल टावर खड़े हो रहे हैं। साय ने बताया कि सरकार ने डेढ़ साल में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की है। सरकार ने अब तक कुल 671 मोबाइल टावर चालू कर दिए हैं, जिनमें से 365 टावरों में 4त्न सेवा उपलब्ध है। यह न सिर्फ तकनीकी बदलाव है, बल्कि यह संकेत है कि अब आदिवासी क्षेत्रों में संचार क्रांति की शुरुआत हो चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर में सिर्फ मोबाइल टावर नहीं लग रहे हैं, बल्कि ये टावर इस बात का सबूत हैं कि वहां के बच्चे और युवा भी अब डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। सुरक्षा कैंपों के इर्द-गिर्द बसते गांवों में अब बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही है। नियद नेल्लानार योजना के तहत चिन्हित 146 ग्रामों में 18 सामुदायिक सेवाएं और 25 तरह की सरकारी योजनाएं एक साथ क्रियान्वित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ में अब बारिश के दिन कम हो गए हैं। पहले जहां लगभग 100 दिन बारिश होती थी, अब सिर्फ 65 दिन ही होती है। तकनीक के तहत गांव-गांव में पानी बचाने के नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। इस काम में आधुनिक तकनीक जैसे मैपिंग और 'जलदूत' नाम का मोबाइल ऐप इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यह पता चलता है कि कहां कितनी जरूरत है।

नालंदा परिसर की भी दी जानकारी

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को नालंदा परिसर की जानकारी भी दी, जो देश की पहली 24*7 हाईब्रिड सार्वजनिक लाइब्रेरी है। 18 करोड़ की लागत से बनी इस सुविधा में ई-लाइब्रेरी, यूथ टॉवर, हेल्थ ज़ोन और सौर ऊर्जा आधारित व्यवस्था है। अब तक 11,000 से अधिक छात्र लाभांवित हो चुके हैं, जिनमें 300 से अधिक छात्र यूपीएससी और सीजी पीएससी में सफलता पाई है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने 'प्रयास' मॉडल की भी जानकारी दी, जिसमें वंचित और आदिवासी बच्चों को आईआईटी, नीट, क्लैट जैसी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती है। अब तक 1508 छात्र चुनिंदा राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश पा चुके हैं।

रीवा/सतना की खबरें

विकसित कृषि संकल्प अभियान में कृषकों को दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मऊगंज जिले के ग्राम पंचायत पथरहा नम्बर दो एवं ढेरा में कृषकों को कृषि के संबंध में उन्नत तकनीक सहित शासन की विभिन्न योजनाओं के विषय में जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारियों ने कृषि, उन्नत बीज, पशुपालन, उद्यानिकी एवं मत्स्य पालन के संबंध में कृषकों को जानकारी दी गई तथा उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया। इस अवसर पर एसएडीओ उमेशचन्द्र हतागले, एईओ अरूण इंग्ला व सुरपाल चौहान, आत्मा परियोजना के मनु द्विवेदी एवं सपना पाण्डेय, पशुपालन विभाग के रामबहादुर सिंह एवं बैंक प्रतिनिधि रामरतन मिश्रा ने कृषकों को कृषि व अन्य विभागीय जानकारियों से अवगत कराया। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को धान की उन्नत किस्म, धान रोपाई के यंत्र तथा खाद के संतुलित उपयोग के संबंध में जानकारी दी। किसानों को मिट्टी का परीक्षण कराने एवं मृदा हेल्थ कार्ड के अनुसार फसलों में खाद के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। पशुपालन विभाग की डॉ अम्बेडकर कामधेनु योजना, आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना तथा पशुओं के टीकाकरण के संबंध में जानकारी दी गई। वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी ने किसानों को बीजोपचार, मोटे अनाजों की खेती, दलहन तथा तिलहन फसलों के उन्नत बीज एवं कृषि उपकरणों की जानकारी दी। किसानों को फसलों में खरपतवार नियंत्रण एवं जैविक दवाओं के उपयोग से कीट नियंत्रण के लिए प्रेरित किया गया। किसानों को नरवाई न जलाने और इससे खाद बनाने की सलाह दी गई।

विधायक ने दुआरी में किया उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने ग्राम दुआरी में 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया। गांव में उप स्वास्थ्य केंद्र के बन जाने से ग्रामीणों को छोटी बीमारियों के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।उप स्वास्थ्य केंद्र में बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर जांच के साथ ही बीपी, शुगर जैसी बीमारियों की जांच और प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलेगी।भूमि पूजन अवसर पर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने कहा कि तेरा तुझको अर्पण क्या लागे मेरा। हम सबको मिलकर काम करना है। सरकार जनता की हर मूलभूत आवश्यकता को पूरा करने का कार्य कर रही है। शुद्ध पीने का पानी, सड़क, बीमार के लिए इलाज का प्रबंध, पढ़ाई की व्यवस्था, घर, बिजली, युवाओं को रोजगार जैसी अनेक आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। त्योंथर हमारा परिवार है और जनता की सेवा हमारा कर्तव्य ।उन्होंने कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर 70 से अधिक उम्र के व्यक्तियों के भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। वहीं, स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा अपने गांव में कहीं भी कचरा दिखे तो उसे डस्टबीन में जरूर डाले और अपने गांव को साफ व स्वच्छ बनाएं।उन्होंने कहा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ले कोई भी लाभ से वंचित रहे।इस मौके पर विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना और साथ में प्रशासनिक अमले को तत्काल समस्याओं के निदान करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर कार्यक्रम की अध्यक्षता दुआरी सरपंच कृष्णपाल यादव ने की।कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष वेद प्रकाश मिश्रा, कौशलेश द्विवेदी, तुलाराम पाठक,कालीचरण मिश्रा,हरिशंकर मिश्रा कवि,राजेश मिश्रा,प्रिंस शुक्ला ,कृपा शंकर उपाध्याय ,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारियों के समेत बड़ी संख्या ग्रामीण जन उपस्थित रहे। त्योंथर विधानसभा में 19 नवीन पंचायत भवन अटल ग्राम सेवा सदनों की स्वीकृत मिली है। प्रत्येक भवन की लागत 37.50लाख रु.है। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि नवीन पंचायत भवनों के निर्माण से पंचायती राज व्यवस्था को बल मिलेगा ,कामकाज में आसानी होगी एवं अंत्योदय का मार्ग सुदृण होगा।

गोविंदगढ़ पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोपी को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा विवेक सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय रीवा आरती सिंह के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उप निरी. निशा खूता के नेतृत्व में थाना गोविन्दगढ़ में दिनाँक 06/06/2025 को फरियादी छोटे खान पिता गुलफान खान उम्र 52 वर्ष निवासी अमिरती थाना गोविन्दगढ़ द्वारा आरोपी जितेन्द्र आदिवासी पिता रामाधार आदिवासी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम बड़ी पांती थाना गोविन्दगढ़ के विरुद्ध मजरूब जब्बार खान उर्फ केके पिता दिलबहार चमन उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम अमिरती थाना गोविन्दगढ़ जिला रीवा (म.प्र.) के साथ हत्या करने की नियत से कुदारी से मारपीट करने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करायी गयी जिस पर से थाना गोविन्दगढ़ में अपराध क्रमांक 165/2025 धारा 109(1) बीएनएस पंजीबद्ध कर थाना गोविन्दगढ़ पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते 24 घण्टे के भीतर घटना के आरोपी जितेन्द्र आदिवासी को हिरासत में लेकर हिकमत अमली से पूछताछ की गई जो आरोपी द्वारा जुर्म कारित करना स्वीकार किया गया एवं आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आलाजरब जप्त किया गया बाद आरोपी को गिरफ्तार कर आज दिनाँक 07.06.2025 को माननीय न्यायालय रीवा के समक्ष प्रस्तुत कर, केन्द्रीय जेल रीवा निरुद्ध किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरी. निशा खूता, सउनि इन्द्रभान सिंह, प्र.आर. 251 सुशील तिवारी, आर. 1025 नीरज पाण्डेय, आर. 1130 अमित पाण्डेय, आरक्षक 551 सुंदरम मिश्रा, सै. 55 विनीत शुक्ला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन दिलाने का झांसा देकर 79 लाख की ठगी, रिटायर्ड कालरी कर्मी की पत्नी से हुई धोखाधड़ी

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। टाटा AIA अंबिकापुर में पदस्थ महिला से जमीन दलाल ने 79 लाख रुपए की ठगी कर ली। महिला ने कालरी कर्मी पति के रिटायरमेंट में मिले पैसे और अपनी जमा पूंजी जमीन दलाल को किश्तों में दे दी। जब जमीन की रजिस्ट्री नहीं हुई तो महिला ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के बाद ठगी की FIR दर्ज की है।

जानकारी के मुताबिक, रॉयल पार्क कॉलोनी निवासी टाटा AIA में पदस्थ इंदु सिंह के पति अजीत कुमार सिंह SECL भटगांव से वर्ष 2020 में रिटायर हुए हैं। इससे पहले इंदु सिंह अपने पति के साथ अंबिकापुर के आसपास फॉर्म हाउस बनाने के लिए जमीन खोज रहे थे। टाटा AIA में ही लीडर का काम करने वाले गणेश सिन्हा ने इंदु सिंह को बताया कि छोटे भाई का दोस्त निकुंज गुप्ता निवासी दत्ता कालोनी जमीन खरीद-बिक्री का काम करता है। उसने निकुंज गुप्ता से बात कराई।

जमीन दिखा किश्तों में लिए रुपए

निकुंज गुप्ता ने वर्ष 2017 में इंदु सिंह उनके पति अजीत कुमार सिंह को रॉयल पार्क कॉलोनी के पीछे ले जाकर करीब पौने दस डिसमिल जमीन दिखाई और बताया कि उक्त जमीन अनिल अग्रवाल के नाम पर रजिस्टर्ड है। अनिल की बहन को कैंसर हो गया है, जिसके इलाज के लिए जमीन बेचना है। उक्त जमीन का एग्रीमेंट अपने नाम से कराना बता कर जमीन का सौदा तय किया और एडवांस में रुपए मांगे।

उन्होंने निकुंज गुप्ता को एक लाख रुपए का चेक दिया। निकुंज गुप्ता ने कई किश्तों में रुपए लिए। मार्च 2019 तक उन्होंने निकुंज गुप्ता को कुल 17 लाख रुपए दे दिया। जब उन्होंने रजिस्ट्री के लिए कहा तो निकुंज गुप्ता ने जमीन मालिक के बहन की तबीयत ज्यादा खराब होने का बहाना बनाया। उसने बताया कि टाईम आउट सिनेमा के सामने करीब 2 एकड़ 37 डिसमिल जमीन को 2 राजवाड़े भाई बेच रहे हैं। उसने जमीन दिखाकर एडवांस में रुपए मांगे। 23 जुलाई 2019 को निकुंज गुप्ता ने रामविलास राजवाड़े से परिचय कराते हुए एग्रीमेंट कराया।

एक करोड़ रुपए मांगे, अन्य लोगों से भी लिया पैसा

इंदु सिंह को झांसे में लेकर निकुंज गुप्ता लगातार रुपए लेता रहा। अप्रैल 2022 में निकुंज गुप्ता ने कहा कि जमीन मालिक को एक करोड़ रुपए देना होगा, नहीं तो जमीन वाले जमीन बेच देंगे और आपका पैसा डूब जाएगा। पैसा डूबने के डर से इंदु सिंह ने अपने परिचित उमा शंकर गुप्ता से 6 लाख रुपए, अरविंद गुप्ता से 2 लाख रुपए और आनंद मिश्रा से 2 लाख रुपए निकुंज गुप्ता को दिलवा दिए। जमीन की रजिस्ट्री नहीं होने पर यह राशि भी इंदु सिंह को वापस करनी पड़ी। इसके बाद से निकुंज गुप्ता ने फोन उठाना बंद कर दिया।

अंबिकापुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। नेशनल हाईवे 130, अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार रात घर लौट रहे युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। डायल 112 की टीम ने युवक के शव को हॉस्पिटल पहुंचाया। 2 दिनों में यहां दो हादसों में तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम जजगा क्षेत्र के डोकरनारा निवासी करमू राम धोबी (30 वर्ष) बीती रात अपने घर लौट रहा था। वह पैदल ही नेशनल हाईवे से होकर अपने घर की ओर जा रहा था। जजगा में नावापारा मोड़ के पास तेज रफ्तार में अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर कार दी। हादसे में करमू राम उछलकर सड़क पर गिर गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। टक्कर मारकर अज्ञात वाहन का चालक गाड़ी लेकर भाग निकला।

2 दिनों में 2 हादसे, 3 की मौत

लखनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मृतक करमू राम के शव का पोस्टमॉर्टम किया गया। सूचना पर परिजन सुबह हॉस्पिटल पहुंचे गए थे। नेशनल हाईवे 130 स्थित जजगा में 2 दिनों में यह दूसरी वारदात है। गुरुवार की रात करीब 3.30 बजे बारात में शामिल होकर लौट रहे बाइक सवारों को पिकअप ने टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई थी। एक अन्य सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था।

नावापारा मोड़ के पास लगातार हादसे

नेशनल हाईवे में नावापारा मोड़ के पास पहले भी हादसे हो चुके हैं। यहां वाहन तेज रफ्तार में चलती हैं, जो हादसे का मुख्य कारण है। लखनपुर पुलिस ने मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

एमपी के जबलपुर में छत से गिरकर छत्तीसगढ़ की महिला की मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार की रहने वाली विवाहिता की जबलपुर में दूसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। महिला के परिजन ने ससुराल पक्ष पर दहेज के चलते मारपीट और हत्या करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बेटी को दुल्हन बनाकर यहां भेजा था। आज लाश लेकर जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मृतका अनमोल आहूजा (25 साल) भाटापारा की रहने वाली थी। जबलपुर निवासी विपुल आहूजा से तीन साल पहले उसकी शादी हुई थी। दोनों की डेढ़ साल की एक बेटी भी है। सूचना मिलने पर रायपुर से परिजन शुक्रवार सुबह जबलपुर पहुंचे। उन्होंने कहा कि बेटी के पूरे शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं। वह आत्महत्या नहीं कर सकती। गढ़ा थाना पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

पिता बोले- हैसियत से बढ़कर दहेज दिया: महिला के पिता मुरली खत्री ने बताया कि, तीन साल पहले बेटी की धूमधाम से शादी की। हैसियत से बढ़कर दहेज दिया था। शादी के कुछ महीने तो ठीक से बीते। लेकिन उसके बाद ससुरालवालों ने अनमोल के साथ मारपीट शुरू कर दी। दो बार अनमोल का हाथ तोड़ दिया गया। इसके बाद भी वह चुप रही।

आधी रात फोन पर बेटी बोली- पति पीट रहा है: पिता ने बताया कि, गुरुवार रात करीब 12 बजे अनमोल ने फोन करते हुए बताया कि पति उसके साथ मारपीट कर रहा है। तुरंत जबलपुर आ जाओ। मैंने बेटी से सुबह तक जबलपुर आने की बात कही। रात डेढ़ बजे उसके चाचा ससुर का फोन आया कि अनमोल छत से गिर गई है। अस्पताल में भर्ती है। पिता ने कहा कि उसे दूसरी मंजिल से नीचे फेंका और फिर गंभीर हालत में अस्पताल में छोड़कर भाग गए।

अमित शाह ने नक्सल ऑपरेशन के अफसरों की थपथपाई पीठ, भाजपा सरकार में 427 नक्सली मारे गए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन को लीड कर रहे अधिकारियों से दिल्ली में मुलाकात कर सम्मानित किया। इन्हीं अधिकारियों की प्लानिंग की वजह से लगातार फोर्स को बस्तर के अंदरूनी इलाके में मुठभेड़ में कामयाबी मिल रही हैं। सैकडों नक्सली मारे गए हैं।

जिन अफसरों को शुक्रवार को शॉल और बुके देकर सम्मानित किया गया, उसमें छत्तीसगढ़ के डीजीपी अरुणदेव गौतम, बीजापुर एसपी जितेंद्र कुमार यादव, बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा और बस्तर रेंज के आईजी सुंदर राज पी शामिल हैं। अमित शाह ने इन अधिकारियों की पीठ थपथपाकर शुभकामनाएं दी हैं। इस दौरान सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद थे।

अमित शाह ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि, हाल ही में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूं और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूंगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है।

भाजपा सरकार बनते ही 427 नक्सली मारे गए

छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब तक 400 से ज्यादा नक्सली मारे गए हैं। प्रदेश में चल रहे नक्सल ऑपरेशन की जानकारी मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को दी हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली पहुंचे थे। सबसे पहले उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। ष्टरूने बताया कि, कैसे प्रदेश में सेंट्रल फोर्स और स्टेट पुलिस मिलकर नक्सलियों के खिलाफ अभियान चला रही है। नक्सल प्रभावित जिलों में सरकार की योजनाएं सरेंडर पॉलिसी को लेकर भी अमित शाह और मुख्यमंत्री के बीच बातचीत हुई।

डेढ़ साल में 1,428 माओवादियों ने किया सरेंडर

मुख्यमंत्री ने बताया कि, राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। डेढ़ साल में चलाए गए अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो पिछले पांच साल की तुलना में अधिक है। मुख्यमंत्री साय ने शाह को बताया कि, 205 मुठभेड़ में 427 माओवादी मारे गए। जिनमें नक्सल संगठन के महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है।

प्रमुख राजस्व आयुक्त एवं आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों के पुनर्गठन की स्वीकृति

नर्मदापुरम (एजेंसी)। राजा भभूत सिंह के शौर्य और बलिदान को समर्पित मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक पचमढ़ी के राजभवन में हुई। नर्मदापुरम जिले के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए मंत्रि परिषद ने मे0 केसर मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक लि0 व्दारा क्रियान्वित कम्पोजिट लॉजिस्टिक हब पवारखेड़ा परियोजना को मे0 डी.पी.वर्ल्ड मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक प्रा0 लि0 को हस्तांतरित किये जाने का निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद ने निर्णय लिया कि प्रमुख राजस्व आयुक्त एवं आयुक्त भू-अभिलेख कार्यालयों का पुनर्गठन किया जाये। दोनों कार्यालयों के पुनर्गठन के फलस्वरूप एकीकृत कार्यालय का नाम कार्यालय आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन होगा, जिसमें एक मुख्यालय एवं एक सहायक मुख्यालय होगा। वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप अधीक्षक भू-

अभिलेख एवं सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को क्रमशः तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार में समायोजित किया गया है। इस तरह प्राप्त अतिरिक्त तहसीलदार और नायब तहसीलदार को न्यायालयीन कार्य एवं गैर न्यायालयीन कार्य जैसे प्रोटोकॉल, कानून व्यवस्था, सर्वे इत्यादि के रूप में पदस्थ किया जायेगा। न्यायालयीन कार्य के लिए पृथक तहसीलदार होने से प्रतिदिन राजस्व न्यायालय में न्यायालयीन कार्यवाही संभव होने से राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति आयेगी। मंत्रि-परिषद ने श्रम कानूनों में प्रक्रिया का सरलीकरण एवं छोटे और मध्यम स्तर के संस्थानों और उद्योगों पर अनुपालन के बोझ को कम करने के उद्देश्य से तीन श्रम कानूनों में संशोधन की अनुमति दी है। ठेका श्रम (विनियमन और उत्सादन) अधिनियम, 1970 के अंतर्गत वर्तमान में नियोजन के लिए निर्धारित 20 ठेका श्रमिक सीमा को बढ़ाकर 50 ठेका श्रमिक किया गया है। साथ ही कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 10 श्रमिक नियोजित होने तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में वर्तमान में निर्धारित 20 श्रमिक नियोजित होने की सीमा को क्रमशः शक्ति की सहायता से विनिर्माण प्रक्रिया चलाने वाले परिसरों में 20 श्रमिक तथा बिना शक्ति की सहायता से विनिर्माण चलाने वाले परिसरों में 40 श्रमिक तक बढ़ाया गया। इसी प्रकार औद्योगिक विवाद

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने किया सिल्क टेक पार्क-पचमढ़ी का भ्रमण

नर्मदापुरम (एजेंसी)। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग श्री दिलीप जायसवाल पचमढ़ी में आयोजित केबिनेट बैठक में भाग लेने पचमढ़ी पहुंचे। मंत्री श्री जायसवाल द्वारा सिल्क टेक पार्क पचमढी का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने प्राकृत सिल्क शोरूम व पचमढी में मूंगा रेशम उत्पादन की गतिविधियों का अवलोकन किया। साथ ही प्रदेश के एक मात्र रेशम बीज उत्पादन केन्द्र की गतिविधियों का सूक्ष्म

मंत्री श्री जायसवाल ने पचमढ़ी केन्द्र को प्रोजेक्ट मोड में विकसित करने की आवश्यकता प्रतिपादित की तथा प्राकृत सिल्क शोरूम की बिकी बढ़ाने हेतु इसे फॉरेस्ट के टूरिज्म सर्किट से सिल्क टेक पार्क को जोड़ने की बात की है, जिसकी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रशंसा की गई।

उन्होनें पचमढ़ी रेशम को बढ़ाने के लिए टूरिज्म सर्किट में जोड़ने के लिए कहा है। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विभागीय मंत्री से अपेक्षा की है कि रेशम का तीव्र विकास किया जावे, जिसमें पचमढ़ी का रेशम देशभर में जाना जावे तथा इससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर सृजित हों। इस दौरान प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा की धर्मपत्नी ने भी प्राकृत शोरूम तथा रेशम केन्द्र का भ्रमण किया, साथ ही राज्य मंत्री नगर एवं आवास विकास मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी व पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग राज्य मंत्री श्रीमती राधारानी सिंह, ने भी रेशम केन्द्र तथा प्राकृत शोरूम पचमढी का भ्रमण किया। पचमढ़ी प्रदेश का मात्र केन्द्र है जहां चारों प्रकार का रेशम होता है।

रुखसार बानों के नवजात शिशु ने 79 दिन बाद जीती जीवन की जंग

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम जिले के जुमेराती क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 26 की निवासी रुखसार बानो के नवजात शिशु ने महज 800 ग्राम के जन्म वजन के बावजूद 79 दिनों की गहन चिकित्सकीय देखभाल के बाद जीवन की जंग जीत ली। यह प्रेरणादायक कहानी न केवल आधुनिक चिकित्सा के चमत्कार को दर्शाती है, बल्कि एक मां की ममता और दृढ़ संकल्प का भी प्रतीक है।

32 वर्षीय रुखसार बानो को गर्भावस्था के दौरान जटिलताओं का सामना करना पड़ा। वह गर्भावस्था 2, पैरा 0, गर्भपात 1 की स्थिति में थीं, और समय से पूर्व प्रसव हुआ। नवजात शिशु अत्यधिक कम वजन (ईएलबीडब्ल्यू) और सांस लेने में कठिनाई जैसी गंभीर चुनौतियों के साथ जन्मा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, शिशु को तत्काल जिला अस्पताल नर्मदापुरम की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया। वहां की विशेषज्ञ टीम ने ऑक्सीजन सहायता,

अंत:शिरा तरल पदार्थ और ब्रॉड-स्पेक्ट्रम आईवी एंटीबायोटिक्स के माध्यम से गहन नवजात प्रबंधन की शुरुआत की।

बच्चे को एपनिया के कई एपिसोड्स का सामना करना पड़ा, जिन्हें कैफीन साइट्रेट थेरेपी से सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया। इसके साथ ही फीडिंग असहिष्णुता जैसी जटिलताओं को भी टीम ने सतर्क निगरानी और क्रमिक पोषण हस्तक्षेप द्वारा संभाला।

एसएनसीयू की समर्पित टीम और मां के अपार प्यार ने मिलकर इस नवजात को धीरे-धीरे स्थिरता की ओर अग्रसर किया। ऑरोगैस्ट्रिक (आरटी) फीडिंग से शुरुआत कर, शिशु को कंगारू मदर केयर (केएमसी) पद्धति में स्थानांतरित किया गया, जो शारीरिक गर्मी, वजन वृद्धि और मां-बच्चे के बीच भावनात्मक संबंध को प्रोत्साहित करने में सहायक रही।

79 दिनों की कठिन लेकिन समर्पित चिकित्सकीय देखभाल के पश्चात, शिशु को स्वस्थ एवं स्थिर स्थिति में छुट्टी दे दी गई। यह सफलता न केवल नर्मदापुरम जिला अस्पताल की एसएनसीयू टीम की दक्षता को रेखांकित करती है, बल्कि इस प्रकार के नवजातों के लिए आशा की किरण भी है।

नर्मदापुरम कमिश्नर तिवारी ने विकास कार्यों की समीक्षा की

हरदा (एजेंसी)। नर्मदापुरम संभाग के आयुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार शाम को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिलों के कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत के साथ बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ-साथ विकासखंड एवं तहसील स्तरीय अधिकारियों के कार्यालय को भी ई ऑफिस सिस्टम से जोड़ने के निर्देश दिए

। उन्होंने कहा कि यह कार्य इस माह के अंत तक हर हाल में पूर्ण हो जाना चाहिए। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन और जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानियां कलेक्ट्रेट के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष से इस बैठक में शामिल हुए। कमिश्नर श्री तिवारी ने वीडियो कांफ्रेंस के निराकरण के संबंध में निर्देश दिए । उन्होंने जल जीवन मिशन के शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करवाने के लिए भी सभी कलेक्टर्स से कहा। कमिश्नर श्री तिवारी ने सामग्र पंजीयन और ई केवाईसी के लंबित कार्य को भी शीघ्रता से पूर्ण करने के संबंध में सभी कलेक्टर्स एवं जिला पंचायत के सीईओ को निर्देश दिए। उन्होंने नये शिक्षा सत्र शुरू होने से पूर्व स्कूल बसों की फिटनेस की जांच करने के संबंध में परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने वर्षा ऋतु में फैलने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक तैयारी के निर्देश दिए।

राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक 06 जून को

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम जिले के राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक नर्मदापुरम संभागायुक्त श्री कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में 06 जून 2025 को प्रातः 10:00 बजे से कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में आयोजि की जाएगी।

बैठक में संभागायुक्त श्री तिवारी राजस्व विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण यांत्रिकीय सेवा / सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा श्रम विभाग सहित), नगरीय प्रशासन एवं आवास (सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा श्रम विभाग सहित), लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, (खाध एवं ओषधी/फूड ड्रग सहित), आयुष विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करेंगे।

सर्व संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि बैठक में नियत स्थान एवं समय पर अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थित रहें।

कार्यपालिक दण्डाधिकारियों एवं अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

नर्मदापुरम (एजेंसी)। जून माह में 05 जून गंगा दशहरा, 07 जून ईदुज्जुहा (बकरीद), 09 जून को बिरसा मुण्डा शहीद दिवस, 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 25 जून स्नान दान श्राद्ध अमावस्या एवं 27 जून 2025 को भगवान जगदीश रथ यात्रा के अवसर पर अपने-अपने अनुविभाग स्तर अंतर्गत उल्लेखित त्यौहार स्नान पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्री डी के सिंह ने कार्यपालिक दण्डाधिकारियों/अधिकारियों की ड्यूटी लगाई।

जारी आदेशानुसार अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री सिंह ने अनुविभागीय दण्डाधिकारी इटारसी श्री टी0 प्रतीक राव (आई.ए.एस.), अनुविभागीय दण्डाधिकारी पिपरिया अनिशा श्रीवास्तव (आई.ए.एस.), अनुविभागीय दण्डाधिकारी सोहागपुर श्री अनिल जैन, अनुविभागीय दण्डाधिकारी नर्मदापुरम श्रीमति नीता कोरी, सिटी मजिस्ट्रेट नर्मदापुरम श्री बृजेन्द्र रावत एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी सिवनी मालवा श्रीमती सरोज परिहार को अपने अपने संपूर्ण अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले घाट स्थलों पर कार्यपालिक अधिकारियों की ड्यूटी लगाने एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौपा है।

वन विभाग के अमले ने 1.24 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

हरदा (एजेंसी)। वन विभाग द्वारा परिक्षेत्र मकड़ाई के अंतर्गत 1.24 हेक्टेयर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। वन मण्डलाधिकारी सामान्य श्री अनिल चौपड़ा ने बताया कि गत दिवस उप वन मण्डलाधिकारी दक्षिण हरदा श्री ओमप्रकाश बिडारे एवं परिक्षेत्र अधिकारी मकड़ाई श्री आर.पी. परते के नेतृत्व में मौके पर वन अमले ने अतिक्रमण रोधी खंती खोदी एवं 1.24 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रकरण में आरोपी शिवनारायण कोरकू निवासी आर्या पर वन अधिनियम 1927 तथा वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 45816/18 दर्ज किया गया। वन मण्डलाधिकारी श्री चौपड़ा ने बताया कि आरोपी को मंगलवार को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय से आरोपी को वन अपराध प्रकरण के फलस्वरूप जेल भेजने की कार्यवाही की गई।

अनुविभाग एवं तहसील स्तर तथा विकासखण्ड स्तर तक ई ऑफिस सिस्टम का क्रियान्वयन हो - कमिश्नर

नर्मदापुरम (एजेंसी)। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को आयोजित वीडियो कांफ्रेंस में नर्मदापुरम संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने अनु विभाग, तहसील एवं विकासखंड स्तर पर ई ऑफिस प्रणाली का क्रियान्वयन कराना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि अभी जिला स्तर पर स्थित सभी विभाग में ही ई ऑफिस सिस्टम के तहत कार्य किया जा रहा है अब ई ऑफिस सिस्टम नीचे अनु विभाग एवं तहसील तथा विकासखंड स्तर पर भी लागू किया जाएगा। कमिश्नर ने निर्देश दिए की 31 मार्च 2025 की स्थिति में जितने भी लीज एक्सपायर हुए हैं उन सभी लीज का नवीनीकरण राजस्व विभाग प्राथमिकता से करे और लीज नवीनीकरण को आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कराए साथ ही राजस्व विभाग यह भी बताएं कि कितने लीज नवीनीकरण से शेष रह गए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की संबंधित व्यक्ति से आवेदन लेकर लीज नवीनीकरण की कार्रवाई प्राथमिकता से की जाए और यदि संबंधित व्यक्ति को लीज नवीनीकरण के बारे में नहीं मालूम है तो राजस्व विभाग स्वत उस व्यक्ति का लीज नवीनीकरण करें। कमिश्नर ने कहा कि राजस्व विभाग का यह प्रमुख दायित्व है कि वह लोगों को लीज नवीनीकरण के लिए प्रेरित करें और उनसे लीज नवीनीकरण के आवेदन ले। आवेदन लेकर लीज नवीनीकरण की कार्रवाई करें। कमिश्नर ने वन व्यवस्थापन के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि वन व्यवस्थापन से संबंधित सभी प्रकरण आरसीएमएस पोर्टल पर प्राथमिकता से दर्ज हो जाने चाहिए। जो केस गुम गए हैं या गायब हो गए हैं ऐसे प्रकरण को भी प्राथमिकता से ढूंढ कर उसे आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज करें। श्री तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए की वह भू अर्जन के सभी प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कर लें एवं संबंधित व्यक्ति को भू अर्जन की राशि का भुगतान भी हो जाए। कमिश्नर ने कहा कि भू अर्जन के सभी प्रकरण ऑनलाइन रहे कोई भी प्रकरण ऑफलाइन जारी न किया जाए। कमिश्नर श्री तिवारी ने समग्र आधार ई केवाईसी की प्रगति की अदयतन स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिए की समग्र आधार ई केवाईसी में डुप्लीकेसी को प्राथमिकता से हटाया जाए। उन्होंने लोक सेवा प्रदाय की गारंटी के तहत हरदा, बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में समय सीमा से बाहर हो चुके प्रकरणों की समीक्षा की। बताया गया कि नर्मदापुरम जिले में तीन प्रकरण समय सीमा से बाहर हो चुके हैं। कमिश्नर ने नियम अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में कोई भी लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए और कहां की सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए।

उन्होंने सभी स्कूली बसों की फिटनेस की चेकिंग करने के निर्देश दिए साथ ही निर्देश दिए की जिला शिक्षा अधिकारी सभी स्कूल संचालकों एवं प्राचार्यों से लिखित मे जानकारी ले की उनके स्कूल में कितनी बसें संचालित की जा रही है और कब-कब उन बसो के फिटनेस की जांच हुई है। साथ ही सभी स्कूल संचालक एवं प्राचार्य यह भी लिखित में दे की स्कूली बस के ड्राइवरों के फिटनेस प्रमाण पत्र है या नहीं। उन्होंने कहा कि इस तरह जानकारी एकत्रित कर जिला परिवहन अधिकारी को दी जाए ताकि जिला परिवहन अधिकारी सभी स्कूली बसो की फिटनेस की एवं ड्राइवर के लाइसेंस की जांच कर सके।

कलेक्टर श्री जैन ने जल गंगा संवर्धन के तहत संचालित कार्यों का जायजा लिया

हरदा (एजेंसी)। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने बुधवार को टिमरनी विकासखण्ड के दूरस्थ ग्रामों का दौरा कर वहां संचालित कार्यालयों व विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने ग्राम केली व चन्द्रखाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित कार्यों को देखा। ग्राम केली में जल संरक्षण के लिये खेत तालाब के कार्यों की गुणवत्ता ठीक नहीं थी तथा ये खेत तालाब निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाये जाने पर उन्होने कार्यों की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश जनपद टिमरनी की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री चेतना पाटिल को दिये। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम केली व चन्द्रखाल के खेत तालाब शीघ्रता से पूर्ण कराने के निर्देश उपस्थित उपयंत्री को दिये। इस दौरान एसडीएम श्री महेश बड़ोले भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम धनपाड़ा में गौशाला का निरीक्षण भी किया।

कलेक्टर श्री जैन ने भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत बड़वानी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों की व्यवस्थाओं और वहां उपलब्ध सुविधाओं की उन्होने सराहना की। उन्होने गुरूवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर पंचायत कार्यालय परिसर में पौधरोपण कराने के लिये पंचायत सचिव से कहा।

कलेक्टर श्री जैन ने बड़वानी व नजरपुरा की उचित मूल्य की दुकान का भी निरीक्षण किया तथा दुकान संचालक से उपलब्ध खाद्यान्न के स्टाक के संबंध में पूछताछ की। उन्होने दुकान संचालक को मृतकों के नाम खाद्यन्न प्राप्त करने वाले हितग्राहियों की सूची से हटाने के निर्देश दिये। बड़वानी के जिन ग्रामीणों के आधार पंजीयन व आधार अपडेशन लंबित है, उन्हें नेटवर्क क्षेत्र में ले जाकर लंबित कार्य पूर्ण कराने के निर्देश कलेक्टर श्री जैन ने दिये। उन्होने इस दौरान नजरपुरा में ग्रामीणों को वितरित किये जाने वाले गेहूँ की गुणवत्ता और खाद्यान्न तुलाई मशीन का परीक्षण किया। कलेक्टर श्री जैन ने ग्राम रहटगांव व नजरपुरा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने मेटरनिटी वार्ड, पोषण पुनर्वास केन्द्र व जनरल वार्ड में जाकर मरीजों से चर्चा की और उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। उन्होने विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.के. चौरे को निर्देश दिये कि उप स्वास्थ्य केन्द्रों में टेली कंसल्टेशन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कार्यवाही करें ताकि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को मरीजों के उपचार के संबंध में यदि कोई मार्गदर्शन चाहिए हो तो वे ले सकें। उन्होने नजरपुरा व रहटगांव अस्पताल के दौरान महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण के संबंध में विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी से जानकारी ली।

सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक राव द्वारा की गई जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा

नर्मदापुरम (एजेंसी)। जल गंगा अभियान अंतर्गत मनरेगा योजना के तहत लिए जाने वाले कार्यो जैसे खेत तालाब कूप रिर्चाज एवं अमृत सरोवर की लक्ष्य अनुसार स्वीकृतियां जारी की जाए एवं यह भी ध्यान रखा जाए कि स्वीकृत सभी कार्य तत्काल प्रारंभ हो। यह निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री प्रतीक राव द्वारा 17 मई को जनपद पंचायत सोहागपुर में आयोजित बैठक में दिए गए। ज्ञात हो कि सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक राव द्वारा जनपद सोहागपुर में पिपरिया तथा सोहागपुर जनपद पंचायत के सहायक यंत्री उपयंत्री की ग्राम पंचायतवार प्रगति की समीक्षा की गई एवं अन्य जनपद पंचायतों के सीईओ जनपद पंचायत व कर्मचारियों के साथ वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडकर समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक राव द्वारा निर्देश दिए गए कि जल गंगा संवर्धन अभियान में किसी भी तरह की लापरवाही न की जाए कार्य गुणवत्तापूर्ण किए जाये ग्राम पंचायतों में चौपाल आयोजित कर खेत तालाब के लाभ से ग्रामीणों को अवगत कराया

जाए एवं नवीन खेत तालाब की स्वीकृतियां तत्काल जारी की जाए। अमृत सरोवर स्वीकृति हेतु सभी जनपद पंचायतों को निर्देश दिए गए कि तकनीकी अमले को फील्ड में भेजकर नवीन स्थलों का 02 दिवस में चयन किया जाए। मनरेगा योजना अंतर्गत पुराने प्रगतिरत जल संवर्धन कार्यो की पूर्णता एवं व्यय की समीक्षा भी की गई एवं निर्देश दिए गए कि उक्त कार्यो पर लगातार मस्टर जारी करवाकर श्रमिक संलग्न किए जाए एवं कार्यो पर मूल्यांकन अनुसार जो लंबित सामग्री राशि है उसके 02 दिवस में बिलो की एंट्री मनरेगा पोर्टल पर कराया जाना सुनिश्चित की जाए।

बैठक के उपरांत सीईओ जिला पंचायत श्री प्रतीक राव द्वारा सोहागपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर खेत तालाब व कूप रिर्चाज के कार्यो का निरीक्षण किया गया एवं निर्देश दिए गए कि कार्यो को समय अवधि में गुणवत्तापूर्ण पूर्ण किया जाए ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को खेत तालाब की उपयोगिता एवं महत्व के विषय में भी बताया गया।

इंग्लैंड के प्लेयर ने लिया क्रिकेट से ब्रेक, भारत के खिलाफ सीरीज में करेगी वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टीम जहां इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलने के लिए वहां पहुंच गई है तो वहीं महिला टीम भी जून महीने के आखिर में लिमिटेड ओवर्स सीरीज खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड महिला टीम की अहम खिलाड़ी और बेहतरीन ऑलराउंडर सोफी एक्लेस्टोन ने भारतीय महिला टीम के दौरे से पहले अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए घरेलू क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया है। भारतीय महिला टीम को इंग्लैंड के आगामी दौरे पर तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

सोफी एक्लेस्टोन के घरेलू क्रिकेट से ब्रेक लेने के फैसले को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अपनी तरफ से दिए बयान में ये साफ कर दिया कि वह भारत के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की होने वाली सीरीज के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। एक्लेस्टोन ने ब्रेक लेने का फैसला अपने स्वास्थ्य के अलावा क्वाड इंजरी को ध्यान में रखते हुए लिया है। वहीं इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की हेड कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने सोफी को लेकर कहा 卐वह पिछले एक सप्ताह से क्वाड इंजरी से जूझ रही हैं और इसी कारण वह अपनी देखभाल करने के लिए खुद के लिए कुछ समय निकालना चाहती हैं, जिसके चलते उन्होंने क्रिकेट से दूर रहने का फैसला लिया है। हम सोफी को भारत के खिलाफ सीरीज के लिए चुनना चाहते हैं, लेकिन इस समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह बेहतर स्थिति में महसूस करें और ब्रेक लेना उनके लिए फायदेमंद हो सकता है।

घुटने की इंजरी के चलते वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज से रही बाहर: इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम अभी अपने घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट की सीरीज खेल रही है, जिसमें इस सीरीज के लिए जब स्क्वाड का ऐलान किया गया था तो उसमें सोफी एक्लेस्टोन को उनकी घुटने की इंजरी के चलते शामिल नहीं किया गया था। हालांकि जिस दिन टीम का ऐलान हुआ था उस दिन सोफी ने मेट्रो बैंक वन-डे कप में लंकाशायर की टीम के लिए खेला था। इंग्लैंड की टीम को 28 जून से घर पर पांच मैचों की टी20 सीरीज भारतीय महिला टीम के खिलाफ खेलनी है तो वहीं उसके बाद 16 जुलाई से दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

जोकोविच फ्रेंच ओपन का सेमीफाइनल हारे, 24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके दिग्गज को 23 साल के सिनर ने हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 24 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले नोवाक जोकोविच फ्रेंच ओपन 2025 का सेमीफाइनल मैच हार गए हैं। इसी के साथ उनका 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सपना भी टूट गया है। 38 साल के सर्बिया के स्टार को 23 साल के इटली के जैनिक सिनर ने 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया। यह मैच 3 घंटा और 16 मिनट में चला।

सिनर से सीधे सेटों में हारने के बाद जोकोविच ने अपना बैग नीचे रखा। दर्शकों को आभार जताते हुए कहा- 'शायद यह मेरा आखिरी मैच था। मुझे नहीं पता, इसलिए मैं आखिर में थोड़ा अधिक भावुक हूं। अगर यह फ्रेंच ओपन में मेरे करियर का आखिरी मैच था तो दर्शकों ने जिस तरह से मेरा समर्थन किया उसे देखते हुए यह अद्भुत था।' जोकोविच अगले साल फ्रेंच ओपन तक 39 वर्ष के हो जाएंगे।

इससे पहले जोकोविच ने ब्रिटेन के कैमरून नोरी को हराकर फ्रेंच ओपन में अपनी 100वीं जीत दर्ज की थी, जिससे वह राफेल नडाल के बाद ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। मैच हारने के बाद जोकोविच ने अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों। यहां वे तीन बार चैंपियन रहे थे। मैच हारने के बाद जोकोविच ने अपना हाथ चूमा, फिर उसे मिट्टी पर रख दिया, मानो फ्रेंच ओपन को अलविदा कह रहे हों। यहां वे तीन बार चैंपियन रहे थे।

जोकोविच ने कहा-

क्या मैं आगे खेलना चाहता हूं, हां, मैं चाहता हूं। लेकिन क्या मैं 12 महीने बाद यहां खेल पाऊंगा, मुझे नहीं पता। मैंने कहा था कि यह यहां मेरा आखिरी मैच हो सकता है। मैंने ऐसा नहीं कहा था कि यह मेरा यहां आखिरी मैच होगा।

वर्ल्ड नंबर-1 सिनर और अल्काराज के बीच फाइनल

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर का फाइनल में सामना रविवार (8 जून) को वर्ल्ड नंबर-2 खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्काराज से होगा। पहले सेमीफाइनल में इटली के लोरेंजो मुसेट्टी ने कार्लोस अल्काराज के खिलाफ मुकाबला

बीच में ही छोड़ दिया था। 8वीं सीड मुसेट्टी ने मुकाबले से जब हटने का फैसला किया, उस समय अल्काराज 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे।

24 ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं जोकोविच

नोवाक जोकोविच अब तक 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन, 3 फ्रेंच ओपन, 7 विंबलडन और 4 यूएस ओपन खिताब अपने नाम किए हैं। वह कई बार वर्ल्ड नंबर 1 रह चुके हैं और सबसे ज्यादा हफ्तों तक टॉप रैंकिंग पर रहने का रिकॉर्ड भी बना चुके हैं।

यहां नडाल सबसे सफल खिलाड़ी

लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले राफेल नडाल ने रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है। नडाल ने फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते हैं और उन्हें सिर्फ चार बार हार का सामना करना पड़ा है, जो किसी भी एक ग्रैंड स्लैम में मेंस और विमेंस कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड है।फ्रेंच ओपन, जिसे रोलांड गैरोस के नाम से भी जाना जाता है, एक टेनिस टूर्नामेंट है जो हर साल पेरिस में आयोजित होता है। यह दुनिया के चार ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंटों में से एक है, और इसे क्ले कोर्ट पर खेला जाता है। यह साल का दूसरे ग्रैंड स्लैम होता है।

पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। 36 साल के गेंदबाज ने शुक्रवार को इंस्टा पोस्ट में लिखा- 'दो दशक से ज़्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहूं।' पीयूष चावला 2007 में टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से IPL के 2 टाइटल भी जीते हैं। चावला ने भारत के लिए 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने कुल 43 विकेट चटकाए।

पीयूष चावला ने लिखा-

टॉप लेवल पर भारत का प्रतिनिधित्व करने से लेकर 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने तक, इस अविश्वसनीय यात्रा में हर पल किसी वरदान से कम नहीं रहा है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में बसी रहेंगी।

उन्होंने लिखा-

IPL की उन फ्रेंचाइजियों को दिल से धन्यवाद, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया - पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस। IPLमेरे करियर का एक खास अध्याय रहा है और मैंने इसमें खेलते हुए हर पल को संजोया है।

पिता के लिए लिखा- उनके बिना यात्रा संभव नहीं होती

पीयूष ने अपनी पोस्ट में कोच, परिवार और पिता का आभार जताते हुए लिखा- 'मैं अपने कोचों (केके गौतम और स्व. पंकज सारस्वत) का दिल से आभारी हूं। जिन्होंने मुझे एक क्रिकेटर के रूप में विकसित किया। मेरा परिवार इस सफर में मेरी ताकत और एक स्तंभ रहा है। परिवार का अटूट समर्थन सभी उतार-चढ़ावों के दौरान मेरी नींव रहा है। मेरे दिवंगत पिता का विशेष उल्लेख करना चाहूंगा। उनका मुझ पर अटूट विश्वास रहा और मेरे लिए रास्ता बनाया। उनके बिना यह यात्रा कभी संभव नहीं होती।

उन्होंने लिखा- 'आज मेरे लिए बेहद भावनात्मक दिन है, क्योंकि मैं आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। भले ही मैं क्रीज से दूर हो जाऊं, लेकिन क्रिकेट हमेशा मेरे भीतर जिंदा रहेगा। अब मैं इस खूबसूरत खेल की भावना और सबक को अपने साथ लेकर एक नई यात्रा शुरू करने के लिए उत्सुक हूं।'

IPL में चावला का करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2012 और 2014 में दो बार खिताब जीता। उन्होंने में कुल 192 विकेट लिए। वे वर्तमान में इतिहास में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। इस सूची में वह सुनील नारायण के साथ खड़े हैं।

इंग्लैंड ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज के पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 रन से हरा दिया। टीम सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने 96 रन बनाए। ऑलराउंडर लियाम डॉसन ने 4 विकेट झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। चेस्टर ले स्ट्रीट के रिवरसाइड ग्राउंड में शुक्रवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 188 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 167 रन ही बना सकी।

बटलर ने 96 रनों की पारी खेली

इंग्लैंड की ओर से जोस बटलर ने 59 गेंदों पर 96 रनों की शानदार पारी खेली। बटलर के अलावा जेमी स्मिथ ने 38 और जैकब बेथेल ने नाबाद 23 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से रोमारियो शेफर्ड ने 2 विकेट झटके। अल्जारी जोसेफ, रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल को 1-1 विकेट मिला।

डॉसन ने 4 विकेट झटके

जवाब में वेस्टइंडीज की ओर से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल सका। एविन लुईस ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए। उनके अलावा रोस्टन चेज ने 24, जॉनसन चार्ल्स ने 18, रोमारियो शेफर्ड और जेसन होल्डर ने 16-16 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए लियाम डॉसन ने 20 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके।

इंग्लैंड ने वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया था

टी-20 सीरीज से पहले दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज खेली गई थी। इसे इंग्लैंड ने 3-0 से जीता था। वनडे सीरीज में जो रूट को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

अनऑफिशियल टेस्ट- इंडिया-ए 348 रन पर ऑल आउट केएल राहुल का शतक, जुरेल की फिफ्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया-ए की टीम इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट की पहली पारी में 348 रन पर ऑलआउट हो गई है। नॉर्थम्पटन में चल रहे मुकाबले के दूसरे दिन शनिवार को इंडिया ए ने 319/7 के स्कोर से खेलना शुरू किया और 29 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए। किस वोक्स ने 3 विकेट झटके। जोश टंग और ग्रेस हिल को 2-2 विकेट मिले।

पहले दिन केएल राहुल ने 116 रनों की शतकीय पारी खेली। उन्होंने 168 बॉल की पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया। राहुल के अलावा, ध्रुव जुरेल (52 रन) ने अर्धशतक जमाया। करुण नायर ने 40 और नीतीश कुमार रेड्?डी ने 34 रन बनाए। पहले दिन बारिश की वजह से दो बार खेल रोकना पड़ा, इस वजह से 83 ओवर का ही खेल हो पाया।

यशस्वी-राहुल के बीच 86 रन की साझेदारी

इंग्लैंड लायंस ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। राहुल और यशस्वी जायसवाल ने ओपनिंग की। लेकिन जल्द ही जायसावल (17) और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (11) को क्रिस वोक्स ने LBW कर दिया। इंडिया-ए ने 40 के स्कोर पर अपने दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद करुण नायर (40) और राहुल ने पारी संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट लिए 139 बॉल पर 86 रन की साझेदारी हुई।

ध्रुव जुरेल ने 52 रन बनाए

इसके बाद ध्रुव जुरेल और राहुल के बीच साझेदारी हुई। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 121 रन जोड़े। वहीं जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेली। हालांकि इसके बाद कम अंतराल पर पहले जुरेल (52) और फिर राहुल (116) दोनों ही जॉर्ज हिल की बॉल पर आउट हो गए।

पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ रहा था

इंडिया-ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहला अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ हो गया था। मुकाबले के चौथे दिन भारत की ओर से 4 अर्धशतक लगे। पहले दिन इंग्लिश टीम ने टॉस जीतकर बॉलिंग का फैसला किया। इंडिया-ए ने पहले पारी में 557 रन बनाए थे। वहीं, इंग्लैंड टीम 587 रन पर ऑलआउट हुई। चौथे और आखिरी दिन भारत दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 241 रन बनाया।

जोस बटलर ने विराट कोहली को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 जून को चेस्टर ली स्ट्रीट में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मुकाबले को 21 रनों से अपने नाम किया। इस मैच में इंग्लैंड की टीम को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला और उन्होंने जोस बटलर की 96 रनों की शानदार पारी के दम पर 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 188 रनों का स्कोर बना दिया। वहीं इसके बाद विंडीज टीम टारगेट का पीछा करते हुए 20 ओवर्स में 167 रनों के स्कोर तक ही पहुंचने में कामयाब हो सकी।वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने अपना पहला विकेट 16 के स्कोर पर गंवा दिया था। इसके बाद नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने उतरे जोस बटलर ने जेमी स्मिथ के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 79 रनों की शानदार साझेदारी की। बटलर ने अपनी 96 रनों की पारी के दौरान कुल 59 गेंदों का सामना किया जिसमें उन्होंने 6 चौके और चार छक्के लगाए। इसी के साथ टी20 इंटरनेशनल में जोस बटलर वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अब विराट कोहली से आगे निकल गए हैं।

विराट कोहली के अपने टी20 इंटरनेशनल करियर में वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 570 रन बनाए हैं तो वहीं अब जोस बटलर के नाम कुल 611 रन दर्ज हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर रोहित शर्मा काबिज हैं जिन्होंने विंडीज टीम के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में 693 रन बनाए हैं। ऐसे में सीरीज के बाकी बचे 2 और मुकाबलों में बटलर के पास पहले नंबर पर काबिज होने का भी शानदार मौका रहेगा।

जोस बटलर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल में अब सबसे ज्यादा अर्धशतकीय पारी खेलने के मामले में रोहित शर्मा और बाबर आजम की बराबरी कर ली है। रोहित और बाबर दोनों के नाम वेस्टइंडीज के खिलाफ 5-5 अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हैं, जिसमें अब बटलर भी शामिल हो गए हैं। वहीं इस लिस्ट में पहले नंबर पर ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व खिलाड़ी डेविड वॉर्नर काबिज हैं जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ कुल 7 अर्धशतकीय पारियां खेली हैं।

पुलिस अधीक्षक से चार सप्ताह के भीतर जांच पूरी करने को कहा

ज्योति किंडरगार्टन स्कूल में पांच वर्षीय छात्र से अमानवीय व्यवहार पर आयोग ने राज्य सरकार को जारी किया नोटिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने शहर के ज्योति किंडरगार्टन स्कूल में एक 5 वर्षीय छात्र साथ हुए कथित अमानवीय व्यवहार पर प्रदेश सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग ने न केवल 50 हजार रुपए की क्षतिपूर्ति की अनुशंसा प्रस्तावित की है, बल्कि रीवा पुलिस अधीक्षक से 4 सप्ताह के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश भी दिया है। बीते 18 जनवरी 2025 को कक्षा में अस्वस्थ होने के कारण बालक ने स्वयं को गंदा कर लिया। आरोप है कि विद्यालय की अटेंडेंट ने न केवल उसे अपने ही कपड़ों से जबरन सफाई करवाने को मजबूर किया, बल्कि गीले कपड़ों में ही छोड़ दिया, जिससे वह बीमार पड़ गया। यह मामला भाजपा नेता गौरव तिवारी ने उठाया, जिस पर आयोग ने कलेक्टर और एसपी से जवाब मांगा था। पुलिस ने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लिया है। इधर स्कूल प्रबंधन ने संबंधित अटेंडर की सेवा भी समाप्त कर दी है। साथ ही कक्षा की शिक्षिका को 6 माह के लिए निलंबित किया गया है। अब आयोग ने कहा कि यह घटना सिर्फ एक बच्चे के साथ नहीं, बल्कि बाल अधिकारों, गरिमा और शिक्षा के अधिकार के मूल्यों के साथ भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण खिलवाड़ है। आयोग ने मुख्य सचिव से पूछा है कि पीड़ित बालक को 50 हजार रुपए का मुआवजा क्यों न अनुशंसा करें। इस पर सरकार के जवाब के बाद अगली कार्रवाई होगी।

दरअसल, रीवा में 5 साल के बीमार बच्चे ने क्लासरूम में टॉयलेट-लेट्रीन कर ली। क्लास ले रही टीचर ने बच्चे को बुरी तरह डांटा। वह और आया उसे खींचकर बाथरूम में ले गईं। वहां बच्चे की पेंट उतरवाकर उसी से टॉयलेट-लेट्रीन साफ कराया। करीब चार घंटे बिना पेंट खड़ा रखा। कड़कड़ाती ठंड में खड़ा बच्चा कांपता और सुबकता रहा। छुट्टी होने पर जब परिजन को पता लगा तो वे स्कूल पहुंचे। मैनेजमेंट से शिकायत की। कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। जब टीचर और आया पर एक्शन नहीं लिया गया तो पैरेंट्स ने लिखित शिकायत दी। इस पर मैनेजमेंट ने धमकाया- आपको अपना बच्चा आगे पढ़ाना है या नहीं? घटना शहर के बोदाबाग में किंडर गार्डन ज्योति स्कूल में 18 जनवरी की है। इसके बाद से बच्चा गुमसुम रहता है। किसी से बातचीत करने से कतराता है। रात में उठकर चिल्लाने लगता है। स्कूल जाने से भी मना कर रहा है। परेशान घर वालों ने जिला शिक्षा अधिकारी और कलेक्टर से मामले की शिकायत की है। कलेक्टर ने जांच की बात कही है।

मैहर में 50 लोगों से भरी बस पलटी, 10 यात्री घायल

झिन्ना नाला बाईपास के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 2 बजे एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। एनएच-30 पर झिन्ना नाला बाईपास के पास एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस में 50 से अधिक यात्री सवार थे, जिनमें से 10 यात्री घायल हो गए। हादसे में बस के पलटने से 33 केवी का बिजली का खंभा भी टूट गया। अमरपाटन थाना प्रभारी के पी त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बिजली के तारों को देखते हुए सावधानी से यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से पहले अमरपाटन सिविल अस्पताल ले जाया गया।

वहां से उन्हें सतना रेफर कर दिया गया। बस की पहचान नंबर से हुई है, जो उत्तर प्रदेश के मऊ से महाराष्ट्र के नागपुर जा रही थी। कुछ घायल यात्री अभी भी घटनास्थल पर इलाज की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उनका सामान बस के अंदर फंसा हुआ है। बस मालिक की तरफ से अभी तक कोई मदद नहीं मिली है।

जर्जर भवन को नगर निगम की टीम ने गिराया, दुर्घटना की आशंका थी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मानसून आने के पहले शहर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर निगम आयुक्त सौरभ सोनवणे ने कई वार्डों में भ्रमण कर अधिकारियों को तैयारियों का निर्देश दिया है। इसी के तहत शहर के वार्ड 29 अंतरगत पाण्डेन टोला क्षेत्र में स्थित एक अति जर्जर भयप्रद भवन को शुक्रवार को गिराया गया। यह जर्जर भवन विद्याप्रकाश तिवारी का था, जिसे पहले ही अति जर्जर भयप्रद घोषित किया गया था। भवन की स्थिति को देखते हुए इसे अत्यंत जर्जर एवं मानव जीवन के लिए खतरे की दृष्टि से चिन्हित किया गया था। इस भवन के स्वामी को पहले नोटिस भी जारी की गई थी कि वह स्वयं गिराए लेकिन उन्होंने खुद गिराने के बजाए नगर निगम को यह जिम्मेदारी सौंपी। इस जर्जर भवन को गिराने की कार्रवाई के दौरान कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, सहायक यंत्री एसके गर्ग, उपयंत्री रमेश सिंह, नरेन्द्र जोगी, अतिक्रमण प्रभारी सुखेन्द्र चतुर्वेदी सहित अन्य मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पैरा मेडिकल स्टाफ को वितरित किए नियुक्ति पत्र

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मेडिकल कालेज से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय में आयोजित समारोह में चिकित्सालय में नव नियुक्त पैरा-मेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पैरा मेडिकल स्टाफ का योगदान स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार उनके सम्मान और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों के लिए प्रतिबद्ध है। इस समारोह में हम उन योद्धाओं को सम्मानित कर रहे हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं में अहम भूमिका निभाते हैं। यह नियुक्ति पत्र सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि आपके जीवन में एक नई जिम्मेदारी का प्रतीक है। पैरा मेडिकल स्टाफ कर्तव्यों का पालन करते हुए मरीजों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है, जिससे पूरे समाज को लाभ होता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए निरंतर प्रयासरत है। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। पैरा मेडिकल स्टाफ का योगदान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को सशक्त बनाने में बहुत ही अहम है। उनकी मेहनत और समर्पण से राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार आ रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने समारोह में 21 पैरा मेडिकल स्टाफ को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने सभी नव नियुक्त कर्मचारियों को उनके नए कार्य की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि वे अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

समारोह में अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी अस्पताल डॉ. अक्षय वास्तव ने नव नियुक्त पैरा मेडिकल स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी अस्पताल के कार्यों को बेहतर करने में अपना योगदान दें। समारोह में अधीक्षक संजय गांधी अस्पताल डॉ. राहुल मिश्रा, डॉ. प्रियक शर्मा, डॉ. आलोक प्रताप सिंह, डॉ. व्ही.डी. त्रिपाठी, डॉ. एस.के. त्रिपाठी, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. रोहन द्विवेदी, डॉ. अविनाश शुक्ला, डॉ. विजय शुक्ला, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. नितिन पाण्डेय, डॉ. अभिताभ द्विवेदी, डॉ. रेणु पटेल, डॉ. नीरज कुमार पटेल, डॉ. आदित्य राय, डॉ. प्रीतम सिंह एवं अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे।

क्र मांक-64-1856-एसपी शुक्ल-फोटो क्रमांक 01 से 04 संलग्न हैं।

मैहर में जमीनी विवाद में की हत्या, चाचा ने भतीजे को सिर में कुल्हाड़ी मारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर जिले के बंशीपुर अमिलिया गांव में जमीनी विवाद में शनिवार सुबह 11 बजे चाचा ने अपने भतीजे आशिक रावत पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया।

घटना के बाद आरोपी ने घायल आशिक को खेत में बने इंदारे में फेंक दिया। परिजन उसे मैहर सिविल अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान आशिक की मौत हो गई। मृतक के परिजन के अनुसार, आशिक का अपने चाचा लाली कोल से जमीनी विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते शनिवार सुबह लाली और उसके बेटे पवन ने आशिक पर हमला किया।

थाना प्रभारी अनिमेष द्विवेदी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की। हालांकि, आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

वसूली की राशि जिस दिन जमा हो उसी दिन पोस्टिंग अनिवार्य रूप से हो

नगर निगम आयुक्त ने राजस्व एवं जलकर वसूली में लापरवाही पर अधिकाारियों को लगाई फटकार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम सभागार में निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने शुक्रवार को राजस्व एवं जलकर वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित ली। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष की राजस्व डिमांड, वसूली की प्रगति एवं जीआईएस सर्वेक्षण से प्राप्त संपत्ति विवरणों की स्थिति की समीक्षा की गई। डॉ. सोनवणे ने वसूली से संबंधित ऑनलाइन रसीद पोस्टिंग में देरी पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी रसीदों की सेम डे पोस्टिंग अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन रसीदें लंबित रखने की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। वसूली प्रक्रिया में डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए। आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि कम से कम 50 प्रतिशत वसूली पीओएस मशीनों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। बकाया राशि वसूलने के लिए तालाबंदी और कुर्की की कार्रवाई को और तेज करने के निर्देश दिए गए। आयुक्त सोनवणे ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह बड़े बकायादारों पर लक्षित कार्रवाई की जाए ताकि वसूली में स्पष्ट प्रगति हो। जलकर वसूली की समीक्षा में आयुक्त ने कहा कि अवैध नल कनेक्शनों को ऑन द स्पॉट नियमित किया जाए या फिर उन्हें काटकर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, कमर्शियल भवनों का निरीक्षण कर, उनके नल कनेक्शनों को कमर्शियल श्रेणी में अद्यतन कर वसूली की जाए। समीक्षा बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, शीतल भलावी, सहायक राजस्व अधिकारी रावेंद्र सिंह सहित अन्य निगम अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

लापरवाही पर कारण बताओ नोटिस: डिमांड रजिस्टर की समीक्षा के दौरान जोन क्रमांक 2 एवं 4 की प्रगति असंतोषजनक पाई गई, जिस पर आयुक्त ने संबंधित सहायक राजस्व अधिकारियों और राजस्व उपनिरीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही, ई-नगर पालिका प्रतिनिधि की जानकारी अद्यतन न करने की लापरवाही पर भी नोटिस दिए जाने को कहा गया है।

जानकी पार्क में खरीदने के बहाने महिला ने दुकान से चोरी की साड़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के जानकी पार्क स्थित कपड़े की दुकान में एक [17] महिला ने साड़ी खरीदने के बहाने दुकान से साड़ी पार कर दी। इसकी भनक जैसे ही दुकानदार को लगी तो उसने पीछा कर महिला को पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को पूछताछ के लिए थाने ले गई। जानकारी के मुताबिक एक अधेड़ महिला साड़ी के दुकान में पहुंची और साड़ी देखने के बहाने उसने साड़ी चोरी कर ली। साड़ी की कीमत करीब 900 रुपये बताई जा रही है।

इतना ही नहीं महिला ने स्टैचू चौराहा में चोरी की साड़ी को एक बर्तन बेचने वाली महिला को 200 रुपये में बेच भी दिया। इसी बीच दुकानदार महिला की तलाश करते हुए स्टैचू चौराहा पहुंचा। जहां महिला को दुकानदार ने पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान दुकानदार ने महिला द्वारा बेची गई साड़ी बरामद कर पुलिस को सूचना दी।

मंदिर जा रहे वृद्ध को ट्रक ने कुचला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत रायपुर कर्चुलियान मोड़ के समीप अज्ञात ट्रक ने पैदल मंदिर जा रहे 72 वर्षीय वृद्ध को टक्कर मार दी और कुचलता हुआ निकल गया, जिससे वृद्ध की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक सहित चालक फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात ट्रक सहित चालक की तलाश शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक रामकरण विश्वकर्मा रोजाना की तरह शनिवार सुबह करीब 4 बजे पैदल झूलनदास मंदिर दर्शन करने जा रहे थे, इसी दौरान रायपुर करचुलियान मोड़ के समीप अज्ञात ट्रक के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गए और उन्हें कुचलता हुआ ट्रक निकल गया। खबर मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तबतक उनकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा लाया गया है।

बाइक सवार बैंक कर्मचारी को ट्रक ने कुचला

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के पन्नी मोड़ के समीप सीतापुर रोड में बीती रात बाइक से जा रहे एक बैंक कर्मचारी को एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ट्रक में फंसे शव को बाहर निकाला और पीएम के लिए मऊगंज अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया। शनिवार को पीएम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के मुताबिक महगना गांव निवासी पुष्पेंद्र सिंह जो मऊगंज एक्सिस बैंक में कर्मचारी थे। बैंक में शनिवार और रविवार की छुट्टी होने की वजह बीती रात बाइक से अपने घर महगना जा रहे थे।

बिरसिंहपुर में दो पक्षों में पथराव के बाद आगजनी, एक की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के बिरसिंहपुर कस्बे में शनिवार सुबह दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक युवक पर लाठी से हमला किया गया। इसके बाद दोनों पक्षों में पथराव हुआ। एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की दो बाइक को तोड़-फोड़ दिया और आग लगा दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। घायल शिवांक तिवारी को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल और फिर हालत गंभीर होने पर रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, शिवांक तिवारी और उसके दोस्तों का इलाके के कुछ मुस्लिम युवकों से लंबे समय से विवाद चल रहा था। यह विवाद इलाके में प्रतिबंधित कोरेक्स सिरप की बिक्री को लेकर शुरू हुआ था। कुछ महीने पहले तिवारी परिवार के युवकों ने एक मुस्लिम युवक का कोरेक्स बेचते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसके बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव बना हुआ था।

शनिवार को मंदिर के पास हुआ हमला: शनिवार सुबह हनुमान मंदिर के पास जब शिवांक अकेला मिला तो दूसरे पक्ष ने उस पर लाठी से हमला कर दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच गाली-गलौच और पथराव शुरू हो गया। एक पक्ष के भाग जाने के बाद, दूसरे पक्ष ने दो बाइकों में तोड़फोड़ की और उनमें आग लगा दी।

मौके पर पुलिस बल तैनात: घटना की सूचना मिलते ही चित्रकूट एसडीओपी रोहित राठौर, सभापुर थाना प्रभारी शंखधर द्विवेदी, धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेंद्र पटेल सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। सभापुर पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुटी है। टीआई शंखधर द्विवेदी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

संपत्तिकर जमा करने में 6% की छूट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का सम्पत्ति कर जमा करने पर जून महीने में 6 प्रतिशत मूल सम्पत्तिकर पर छूट देने की घोषणा की है। कहा गया है कि ऐसे भवन, भूमिस्वामी जो वित्तीय वर्ष 2025-26 का सम्पत्तिकर जमा नहीं किए हैं, वह माह जून में 6 प्रतिशत छूट के साथ जमा कर सकते हैं। ऐसे भवनस्वामी जो स्वयं निवास करते हैं उन्हे वर्तमान वित्तीय वर्ष में 50 प्रतिशत सम्पत्तिकर में छूट दी जा रही है। इसके साथ ही अगर शुरूआत में ही सम्पत्तिकर जमा किया जाता है तो शासन द्वारा 6 प्रतिशत अतिरिक्त छूट मिलेगी।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में हृदय रोग विभाग की सराहनीय उपलब्धि

देब एंजियोप्लास्टी कर बचाई गई मरीज की जान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय प्रथम ड्रग इल्यूटिंग बैलून (देब) एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक करने वाला विन्ध्य का पहला चिकित्सा संस्थान बन गया है। गत दिवस एक बुजुर्ग मरीज आयु 50 वर्ष डॉ. एस. के. त्रिपाठी प्राध्यापक हृदयरोग विभाग के पास सीने में तेज दर्द के लक्षणों के साथ ओ.पी.डी में पहुंचे थे। डॉ. त्रिपाठी द्वारा मरीज को भर्ती कर एंजियोग्राफी की गई। एजियोंग्राफी में पाया गया कि दिल की सबसे प्रमुख नस 99 प्रतिशत दूसरी नस 80 प्रतिशत बंद थी। ऐसे केस में सामान्य एंजियोप्लास्टी कर पाना जटिल होता है। फिर भी डॉ. त्रिपाठी ने मुख्य नस में स्टंट इम्प्लांट करके नस को खोला एवं दूसरी नस में ड्रग इल्यूटिंग बैलून (देब) एंजियोप्लास्टी करके मरीज की जान बचाई। दो घंटे की इस प्रक्रिया में को डॉ. त्रिपाठी ने कैथलैब की टीम के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया। डॉ. त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि ड्रग इल्यूटिंग बैलून (देब) एंजियोप्लास्टी एक नवीनतम प्रोसीजर है, जिसमें बिना स्टंट का उपयोग कर नस को खोला जाता है। इससे मरीज की नसों में पड़ने वाला मेंटल लोड पूरी तरह से खत्म हो जाता है। इस तकनीक अभी तक केवल महानगरों में ही उपयोग हो रहा था, लेकिन अब इसका लाभ रीवा की जनता को भी मिलेगा। यह प्रक्रिया प्रदेश में संचालित निजी संस्थानों में काफी महंगी है तथा आमजन के लिए इस प्रक्रिया का खर्च उठाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। शासन की महत्वाकां योजना आयुष्मान भारत योजना द्वारा प्रक्रिया को चिकित्सालय में निशुल्कः तथा सफलतापूर्व संपन्न किया गया एवं मरीज के दिल की नस पूर्ण रूप से सामान्य हो गई और मरीज बायपास सर्जरी से बच गया। इस प्रक्रिया को सफल बनाने में उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने चिकित्सकों व स्टाफ को बधाई दी। डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल एवं अधीक्षक सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय डॉ. अक्षय वास्तव ने भी टीम को साधुवाद दिया। इन प्रक्रियाओं को टीम वर्क के बिना नहीं किया जा सकता। इस प्रक्रिया को करने में कैथलैब टेक्नीशियन जय नारायण मिश्र, सत्यम, सुमन, मनीष, सुधांशु, फैजल तथा नर्सिंग स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कदैला समूह जल प्रदाय योजना अन्तर्गत के मोटरपंप उपयोग पर प्रतिबंध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए कदैला समूह जल प्रदाय योजना के उपभोक्ताओं द्वारा मोटरपंप के उपयोग पर पाबंदी लगा दी है। उन्होंने कदैला समूह जल प्रदाय योजनान्तर्गत आने वाले 124 ग्रामों में प्रदाय किए जाने वाले पानी में उपभोक्ताओं द्वारा मोटरपंप लगाने से अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को पानी न मिल पाने से पेयजल संकट की स्थिति के मद्देनजर मोटर पंप के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने के लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को सहित जल निगम के सभी मैदानी स्तर के अधिकारियों-कर्मचारियों, सीईओ जनपद रीवा, गंगेव, सिरमौर, रायपुर कर्चुलियान तथा अध्यक्ष एवं सचिव ग्राम जल स्वच्छता तदर्थ समिति कदैला ग्रामीण समूह परियोजना को निर्देशित किया गया है। उक्त आदेश के उल्लंघन पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही किए जाने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।